सांध्य दैनिक 4PM

भगवान, हमारे निर्माता ने, हमारे मस्तिष्क और व्यक्तित्व में असीमित शक्तियां और क्षमताएं दी हैं। ईश्वर की प्रार्थना हमें इन शक्तियों को विकसित करने में मदद करती है। -डा. एपीजे अब्दुल कलाम

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 8 ● अंक: 42 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 14 मार्च, 2022

प्रियंका ने खूब मेहनत की पर... 8 | कांग्रेस ने 144 महिलाओं को... 3 | आग लगने से चार तीर्थयात्रियों... 7

चुनाव नतीजों के बाद फिर किसान आंदोलन की सुगबुगाहट

दिल्ली बैठक पर नजर

संयुक्त किसान मोर्चा ने बुलायी बैठक, विभिन्न मांगों पर होगी चर्चा, बनेगी रणनीति

» किसान नेता राकेश टिकैत का ऐलान, मांगें पूरी होने तक चलेगा आंदोलन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश समेत पांच राज्यों के विधान सभा चुनाव के नतीजों के बाद एक बार फिर किसान आंदोलन की सुगबुगाहट तेज हो गयी है। अपनी मांगों को लेकर संयुक्त किसान मोर्चा फिर सक्रिय हो गया है। मोर्चा ने दिल्ली में आज किसान संगठनों की बैठक बुलायी है। इसमें विभिन्न मांगों को लेकर चर्चा की जाएगी और आंदोलन की रणनीति बनेगी। वहीं किसान नेता राकेश टिकैत ने ऐलान किया है कि मांगे पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा।

संयुक्त किसान मोर्चा ने आज दिल्ली में बैठक बुलाई है। मोर्चा से जुड़े नेताओं का कहना है कि इसमें दोबारा से किसान आंदोलन शुरू करने पर चर्चा के बाद फैसला लिया जाएगा। हालांकि पंजाब और यूपी में विधान सभा चुनाव के बाद मोर्चा से जुड़े करीब दर्जनभर किसान संगठन संघर्ष से किनारा करते नजर आ रहे हैं। संगठन का कहना है कि आंदोलन को स्थगित करने के दौरान कई मुद्दों पर केंद्र सरकार से हुई वार्ता सिरे नहीं चढ़ी है। न तो एमएसपी पर वार्ता हुई और न किसानों पर दर्ज सभी केस वापस लिए गए हैं। कई अन्य मुद्दे भी अधर में लटके हैं। आज की बैठक में इन पर विस्तार से चर्चा की जानी है। गौरतलब है कि इसके पहले पंजाब विधान सभा चुनाव नतीजों के बाद मुल्लांपुर दाखा के गुरशरण कला भवन में आयोजित मोर्चे की पहली बैठक से 11 संगठनों ने किनारा कर लिया। बैठक में सभी 32 संगठनों को पहुंचने का संदेश भेजा गया था। उसमें से 18 संगठनों के नेता बैठक में मौजूद रहे। तीन संगठनों ने फोन पर अपनी सहमति दे दी है।

फाइल फोटो

"जो भी दल सत्ता में है, मांगें पूरी होने तक हमारा आंदोलन जारी रहेगा। मैं संयुक्त किसान मोर्चा के साथ हूं।"

राकेश टिकैत, भाकियू नेता

वादों से मुकर रही सरकार

किसान नेताओं का कहना है कि केंद्र सरकार ने तीन कृषि कानून वापस ले लिए पर अन्य सभी वादों से पीछे हटती नजर आ रही है। एमएसपी और किसानों की कर्जमाफी समेत सभी वादों से सरकार मुकरती दिख रही है। किसानों पर दिल्ली और दिल्ली की सीमाओं पर दर्ज मुकदमे भी वापस नहीं लिए जा रहे हैं। खराब मौसम के चलते बर्बाद हुई फसल का मुआवजा भी नहीं दिया जा रहा है।

कई एजेंडों पर होगी चर्चा

दिल्ली में होने जा रही संयुक्त किसान मोर्चा की बैठक में कई एजेंडों पर चर्चा होगी। बताया जा रहा है कि बैठक में राष्ट्रीय स्तर के संघर्ष की नई रूप रेखा तय की जाएगी। किसान नेता बलबीर सिंह राजेवाल, किसान संघर्ष कमेटी पंजाब के कमलप्रीत सिंह पन्नू, बीकेयू पंजाब के फुरमान सिंह, जमहूरी किसान सभा के कुलवंत सिंह संधू आदि का कहना है कि लखीमपुर खीरी कांड के आशीष मिश्रा को जमानत मिलने के बाद पीड़ित परिवारों और गवाहों की जान को खतरा बढ़ गया है लेकिन सरकार मूकदर्शक बनकर एक और लखीमपुर जैसी घटना का इंतजार कर रही है।

मुलाकातों का दौर, कैबिनेट गठन पर मंथन

» आज तय हो सकती है शपथ ग्रहण की तारीख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव में भाजपा गठबंधन को प्रचंड बहुमत मिलने के बाद कार्यवाहक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दो दिन के दिल्ली के दौरे पर हैं। उन्होंने आज राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद तथा केन्द्र सरकार के अन्य मंत्रियों से भेंट की। इसके पहले उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह तथा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की थी।

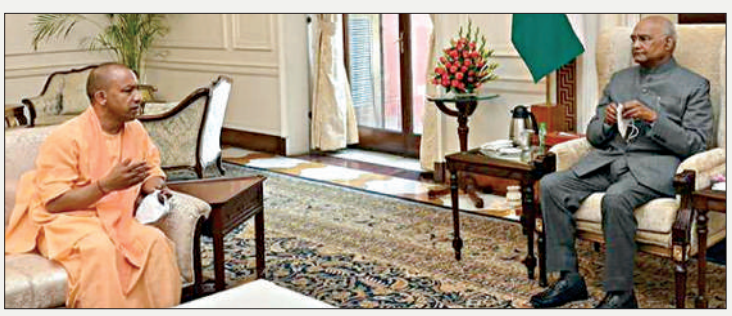

भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से सीएम योगी आदित्यनाथ की भेंट के बाद आज उत्तर प्रदेश में नई सरकार के शपथ ग्रहण की तारीख तथा मंत्रिमंडल के सदस्य भी तय हो सकते हैं। कार्यवाहक मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपति भवन जाकर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से शिष्टाचार भेंट की। इसके बाद योगी आदित्यनाथ ने ट्वीट किया, कहा कि आपका मार्गदर्शन उत्तर प्रदेश के समग्र उत्थान में सदैव हितकारी रहा है। अपना बहुमूल्य समय प्रदान करने के लिए हृदय से आपका आभार माननीय राष्ट्रपति जी। इससे पहले उन्होंने केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी से उनके आवास पर जाकर भेंट की। योगी आदित्यनाथ के दिल्ली के दो दिन के दौरे में उनकी सरकार के शपथ ग्रहण की तारीख तय करने के साथ उनके मंत्रिमंडल के सदस्यों के नामों पर भी चर्चा हो रही है। माना जा रहा है कि दो दर्जन से अधिक मंत्रियों को भी शपथ दिलाई जाएगी। इनमें भी एक दर्जन बिल्कुल नए चेहरे हो सकते हैं। डिप्टी सीएम की संख्या पर भी चर्चा हो रही है।

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से मिले योगी आदित्यनाथ

जयंत ने रालोद के सभी क्षेत्रीय, जिला और फ्रंटल संगठनों को किया भंग

» समीक्षा को तीन सदस्यीय समिति गठित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मेरठ। राष्ट्रीय लोकदल के अध्यक्ष जयंत चौधरी ने विधान सभा चुनाव समाप्त होते ही बड़ा फैसला लिया है। जयंत चौधरी ने विधान सभा चुनाव में मिली हार के बाद बड़ा निर्णय लेते हुए प्रदेश, क्षेत्रीय, जिला और सभी फ्रंटल संगठनों को भंग कर दिया है। रालोद के ऑफिशियल ट्विटर हैंडल से यह सूचना जारी की गई है।

रालोद प्रमुख जयंत चौधरी ने तत्काल प्रभाव से पार्टी के प्रदेश, क्षेत्रीय, जिला संगठन के साथ ही सभी फ्रंटल संगठनों को भंग कर दिया है। उत्तर प्रदेश विधान सभा 2022 चुनाव की समीक्षा के लिए तीन सदस्यीय समिति का गठन किया गया है। समिति में राजेन्द्र शर्मा, अश्विनी तोमर और जैनेन्द्र नरवार शामिल हैं। समिति सभी प्रत्याशियों और कार्यकर्ताओं से संवाद कर अपना प्रतिवेदन राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी को सौंपेगी। जल्द ही नए सिरे से चरणवार संगठन का पुनर्गठन होगा। विधान सभा चुनाव में संगठन की निष्क्रियता और पार्टी प्रत्याशियों के चयन को लेकर हुई हार पर उंगली उठ रही थी। अब असंतुष्ट नेताओं को संगठन में प्रमुख पद देकर संतुष्ट किया जाएगा। खराब प्रदर्शन करने वालों को संगठन में जगह नहीं मिलेगी। गठबंधन के बाद भी रालोद को अपेक्षित सफलता नहीं मिली है।

स्वामी प्रसाद मौर्य को विधानसभा भेजने की तैयारी

अखिलेश के इस्तीफे के बाद करहल से मैदान में उतारने की संभावना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी भले ही बहुमत की रेस से बाहर हो गई है लेकिन वोट प्रतिशत में मिली शानदार बढ़त से उत्साहित है। समाजवादी पार्टी का मानना है कि चुनाव से ठीक पहले उसके साथ आए स्वामी प्रसाद मौर्य समेत अन्य नेताओं के कारण यह बढ़त मिली है। स्वामी प्रसाद के इस एहसान को देखते हुए ही समाजवादी पार्टी ने उनका पूरा सम्मान बरकरार रखने की तैयारी कर ली है। स्वामी प्रसाद मौर्य को विधानसभा भेजने के लिए सपा ने प्लान तैयार कर लिया है।

समाजवादी पार्टी के सूत्रों की मानें तो सपा प्रमुख अखिलेश यादव करहल विधानसभा सीट से इस्तीफा देकर आजमगढ़ की सांसदी अपने पास रखेंगे। अखिलेश के इस्तीफे के बाद करहल सीट पर होने वाले उपचुनाव में स्वामी प्रसाद मौर्य को उतारा जाएगा। कल अखिलेश और स्वामी प्रसाद मौर्य ने मुलाकात की और इस पर चर्चा भी हुई। अखिलेश यादव ने करहल सीट 67,000 से अधिक मतों से जीती है। मौर्य ने चुनाव से पहले कैबिनेट मंत्री और भाजपा की सदस्यता छोड़कर सपा में प्रवेश किया था। स्वामी प्रसाद को कुशीनगर की फाजिलनगर सीट से मैदान में उतारा गया था लेकिन वह चुनाव हार गए थे। करहल में अखिलेश ने केंद्रीय मंत्री एसपी सिंह बघेल को हराया। यह एकमात्र विधानसभा सीट थी। यह एकमात्र दो सीट थी जहां दो सांसद मैदान में थे। अखिलेश आजमगढ़ से सांसद हैं और बघेल संसद में आगरा का प्रतिनिधित्व करते हैं। अखिलेश को 1.48 लाख वोट मिले जबकि बघेल को 80,000 वोट मिले। इससे पहले भी पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा था कि अखिलेश यादव करहल छोड़ देंगे। उस समय अटकलें थीं कि पार्टी सोबरन सिंह यादव को मैदान में उतारेगी। सोबरन ने 2002, 2007, 2012 और 2017 में करहल सीट जीती थी। उन्होंने 2022 में अखिलेश के लिए रास्ता बनाया। स्वामी प्रसाद मौर्य उत्तर प्रदेश के एक प्रमुख गैर-यादव अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) नेता हैं। वह 2007 से 2022 तक कुशीनगर जिले के अपने पारंपरिक सीट पडरौना से विधायक रहे। उन्होंने 2007 और 2012 में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) और 2017 में भाजपा के टिकट पर सीट जीती थी। 2012 में बसपा के सत्ता गंवाने से पहले वह मायावती के खास लोगों में गिने जाते थे। 2017 के विधानसभा चुनाव से पहले 2016 में वह भाजपा में शामिल हो गए थे। इस बार सपा में आए और फाजिलनगर से चुनाव लड़ा। भाजपा के पूर्व विधायक गंगा सिंह कुशवाहा के बेटे सुरेंद्र कुशवाहा ने उन्हें हरा दिया।

सपा का जनाधार बढ़ाने की दिशा में काम करेंगे

फाजिलनगर में अपनी हार के बावजूद मौर्य ने कहा कि वह खुश हैं कि सपा का जनाधार बढ़ा है। उन्होंने कहा कि वह इसे और बढ़ाने की दिशा में काम करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि जिन मुद्दों के कारण मैंने भाजपा छोड़ी थी, वे आज भी प्रासंगिक हैं। मैं उन मुद्दों को लोगों तक नहीं ले जा सका। मुझे खुशी है कि समाजवादी पार्टी का समर्थन बढ़ा है। सपा राज्य में एक बड़ी ताकत के रूप में उभरी है। सपा को एक बड़ी ताकत बनाने के लिए हमारा अभियान जारी रहेगा। सपा ने 111 सीटों पर जीत हासिल की है। उसके सहयोगियों ने 14 सीटें जीतीं। जयंत की राष्ट्रीय लोक दल को आठ और ओमप्रकाश राजभर की सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी को छह सीटें मिलीं।

आरएसएस ने भी माना, देश में बढ़ा बेरोजगारी का संकट

» सरकार को सुझाव देते हुए प्रस्ताव पारित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से आमतौर पर राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक मुद्दों पर ही अपनी राय रखी जाती है, लेकिन शायद यह पहला मौका है, जब उसने रोजगार के मुद्दे पर प्रस्ताव पारित किया है। अहमदाबाद में तीन दिनों तक चली अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा में देश में बढ़ती बेरोजगारी के मुद्दे पर प्रस्ताव पारित किया गया। इसमें सरकार और समाज से अपील की गई है कि उन्हें साथ मिलकर एक ऐसा आर्थिक मॉडल तैयार करना चाहिए ताकि नौकरियां सृजित हो सकें। आरएसएस के प्रस्ताव में कहा गया कि कोरोना के बाद बदली स्थिति में यह और भी जरूरी हो जाता है कि रोजगार का तेजी से सृजन हो। अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक में यह प्रस्ताव पारित किया गया।

इस बैठक में मोहन भागवत समेत संघ के 1,200 पदाधिकारी मौजूद थे। यह बेहद खास है क्योंकि बीते 7 सालों में संघ की ओर से परिवार व्यवस्था, भाषा, राम मंदिर, बंगाल और केरल में हिंसा, हिंदू और मुस्लिमों की आबादी में बढ़ते असंतुलन जैसे मसलों पर ही प्रस्ताव पेश किए जाते थे। प्रस्ताव पेश करते हुए आरएसएस के सह सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि कोरोना के चलते लोगों की आजीविका पर भी संकट आया है। इसे दूर करने के लिए कुछ प्रयास करने की जरूरत है। उन्होंने कहा हमने प्रस्ताव पारित किया है। हमें पता है कि किस तरह से हम आत्मनिर्भर बन सकते हैं। लेकिन इस पर अमल के लिए हमें कुछ प्रयास करने होंगे। यहां तक कि एग्रो बेस्ड और हैंडिक्राफ्ट जैसी चीजें भी देश में रोजगार के सृजन का माध्यम हो सकती हैं। संघ ने अपने प्रस्ताव में रोजगार सृजन के लिए भारतीयता पर आधारित आर्थिक नीतियां लागू करने की भी बात कही है।

डॉक्टर-इंजीनियर और डिग्रियों से लैस हैं हमारे विधायक

» नई विधानसभा में पढ़े-लिखों का बोलबाला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की नई विधानसभा में डॉक्टरी पेशे से विधायक बने चिकित्सक अब सियासी पारा नापेंगे तो वहीं सदन में पहुंचे इंजीनियर नए यूपी के निर्माण में जुटेंगे।नई विधानसभा में डेढ़ दर्जन से ज्यादा पीएचडी धारक, एक दर्जन से ज्यादा डॉक्टर, इंजीनियर और विदेशी डिग्रियों से लैस हैं हमारे विधायक।

आगरा कैंट से भाजपा विधायक जीएस धर्मेश ने आगरा के एसएन मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस किया है तो बरेली से दो डॉक्टर विधानसभा पहुंचे हैं। बरेली से डा. अरुण कुमार ने लखनऊ से एमबीबीएस किया है और तीसरी बार विधानसभा पहुंचे हैं। नवाबगंज से डॉ. एमपी आर्य भी विधायक बने हैं। बीकापुर से विधायक अमित सिंह ने लखनऊ के एरा मेडिकल कॉलेज से मेडिकल की पढ़ाई की है। वहीं मोदी नगर से डॉ मंजू सिवाच स्त्री रोग विशेषज्ञ हैं। बांसगांव से विधायक डॉ. विमलेश पासवान ने एमडीएस किया है और दांतों के डॉक्टर हैं। तमकुहीराज से भाजपा विधायक डॉ. असीम कुमार व सगड़ी से सपा विधायक हृदय नारायण सिंह पटेल भी सर्जन हैं। मछली शहर से सपा विधायक डॉ. रागिनी नेत्र रोग विशेषज्ञ, बिथरी से राघवेन्द्र शर्मा हड्डी रोग विशेषज्ञ, मड़ियाहूं सीट से अपना दल के डॉ आर के पटेल सर्जन हैं तो मीरगंज से डीसी वर्मा पशु रोग विशेषज्ञ हैं। कैराना विधायक नाहिद हसन ऑस्ट्रेलिया के होलमॉस इंस्टीट्यूट से बीबीए करके राजनीति में आए हैं तो मेरठ कैंट से भाजपा विधायक अमित अग्रवाल ने अमेरिका से एमबीए की डिग्री ली है तो रायबरेली से प्रत्याशी अदिति सिंह ने यूएस से परास्नातक किया है।

सबसे ज्यादा पीएचडी धारक सदन में पहुंचे

विधानसभा में सबसे ज्यादा पीएचडी धारक पहुंचे हैं। भाजपा से घोरावल विधायक डॉ अनिल कुमार मौर्य, वाराणसी से नीलकंठ तिवारी, देवरिया से शलभ मणि, सरोजनीनगर से राजेश्वर सिंह, एत्मादपुर से धर्मपाल, छपरौली से अजय कुमार, हमीरपुर से मनोज प्रजापति समेत सपा विधायक मड़ियाहूं से सपा सुषमा पटेल, जंगीपुर से वीरेन्द्र कुमार, गैंसड़ी से शिव प्रताप यादव समेत दो दर्जन पीएचडी धारक विधानसभा पहुंचे हैं। चौरीचौरा से विधायक श्रवण निषाद ने भी बीटेक कर रखा है।

चूनाव में चूक हुई है तो सजा मिले : हरीश रावत

» यूपी में प्रियंका गांधी की असफलता को बनाया ढाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधानसभा चुनावों में हार के बाद कांग्रेस में शीर्ष नेताओं में चल रहे कोल्ड वॉर के बीच पूर्व सीएम हरीश रावत ने कहा कि यह समय चीजों को गहराई से विश्लेषण का है, यदि चूक इंचार्ज के लेवल पर हुई तो उन्हें सजा मिलनी चाहिए, जिस लेवल पर हुई उनको सजा मिले। लेकिन हम सीधे कह दें कि सबको इस्तीफा देना चाहिए, तो वह ठीक नहीं रहेगा।

रावत ने कहा कि अब प्रियंका गांधी जी ने अभूतपूर्व मेहनत की है, पूरी दुनिया साक्षी है। इससे बेहतर तरीके से कोई चुनाव नहीं लड़ा जा सकता है। बता दें कि उत्तराखंड में कांग्रेस की करारी हार के बाद सवाल उठने लगे। कांग्रेस के भीतर रावत की राजनीतिक हैसियत पर भी बात होने लगी। रावत की करारी हार से कांग्रेस गहरे सदमे में है। जिस रावत को कांग्रेस अपना मुख्य चेहरा मानते हुए चुनाव अभियान समिति का अध्यक्ष बनाया था। भाजपा की आंधी में वो इस तरह धराशायी होंगे, किसी ने सोचा भी नहीं था। हरीश रावत को राज्य की सियासत का सबसे सयाना नेता माना जाता है। लेकिन उनकी हार की वजह उनके फैसले को भी माना जाता है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

पार्टी कार्यकर्ताओं की इच्छा, प्रियंका गांधी लखनऊ आकर करें हार की समीक्षा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव के इतिहास में पार्टी के सबसे निराशाजनक प्रदर्शन के बाद प्रदेश कांग्रेस के कार्यकर्ता हार के कारणों की समीक्षा की मांग कर रहे हैं। यद्यपि कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने नई दिल्ली में कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक बुलाई है, लेकिन कार्यकर्ताओं का कहना है कि पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा को लखनऊ आकर अलग से हार की समीक्षा करनी चाहिए और कांग्रेस से जुड़े कार्यकर्ताओं से भी फीडबैक लेना चाहिए।

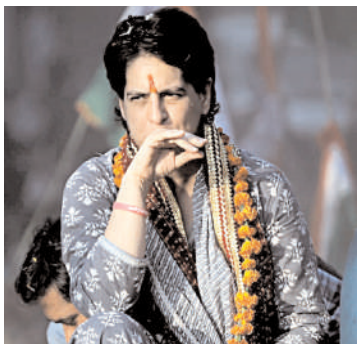

विधान सभा चुनाव के लिए टिकट वितरण में जिस तरह से कांग्रेस के पुराने कार्यकर्ताओं को नजरअंदाज कर पैराशूट से उतरे उम्मीदवारों पर पार्टी ने दांव लगाया, उससे कार्यकर्ताओं में भारी हताशा ही नहीं, कुंठा भी है। पार्टी के कई बड़े ओहदेदार अपने नातेदारों के चुनाव में ही व्यस्त रहे और दूसरे प्रत्याशियों के लिए जनसमर्थन जुटाने के लिए निकले ही नहीं। कार्यकर्ताओं को इस बात का भी रंज है कि पार्टी के प्रदेश नेतृत्व ने ऐसी शर्मनाक हार के लिए सार्वजनिक रूप से नैतिक जिम्मेदारी लेने से परहेज किया। जबकि अतीत में कई उदाहरण ऐसे रहे हैं जब चुनावों में अपेक्षानुसार प्रदर्शन न कर पाने पर पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्षों ने इस्तीफा देने में तनिक भी देर नहीं की। कांग्रेस के डिजिटल मीडिया के संयोजक अंशू अवस्थी ने प्रियंका गांधी वाड्रा को भेजे अपने पत्र में उनसे पार्टी कार्यकर्ताओं से सीधे संवाद करने का अनुरोध किया है कि आपके आसपास मौजूद लोगों ने पार्टी का बड़ा नुकसान किया है।

मोदी-योगी की आंधी में डटी रहीं आराधना

कांग्रेस ने 144 महिलाओं को दिया टिकट जीती सिर्फ एक

भाजपा की लहर में भी सपा की 13 प्रत्याशी जीतीं
बसपा की 37 महिला प्रत्याशियों में एक भी नहीं जीती

दिव्यभान श्रीवास्तव

लखनऊ। इस बार यूपी के चुनावी दंगल में भले ही मोदी-योगी की लहर के आगे अच्छे-अच्छे नेता ढेर हो गए हों। मगर इस लहर के बीच भी कुछ ऐसी महिला नेता उभरकर सामने आई हैं जिन्होंने भाजपा के प्रत्याशियों को न सिर्फ जोरदार टक्कर दी बल्कि अच्छे मतों से जीत हासिल कर जीत जश्न मनाया। वहीं खास बात यह थी कि लड़की हूं लड़ सकती हूं का नारा देते हुए कांग्रेस ने 144 महिला उम्मीदवारों को चुनावी मैदान में उतारा था। इनमें से सिर्फ एक महिला उम्मीदवार ही चुनाव में जीत का टीका लगा सकीं। वहीं समाजवादी पार्टी की 46 महिला प्रत्याशियों में से 13 महिलाओं ने जीत हासिल की और मोदी-योगी लहर को टक्कर देने में कामयाब रहीं। वहीं बसपा की 37 महिला प्रत्याशियों में एक भी जीत का स्वाद नहीं चख पाई।

उत्तराखंड में पूर्व सीएम की बेटी ने किया कब्जा

हरिद्वार ग्रामीण विधानसभा सीट से पूर्व सीएम हरीश रावत की बेटी और कांग्रेस उम्मीदवार अनुपमा रावत ने जीत हासिल कर पिता का नाम रोशन किया है। हरिद्वार ग्रामीण विधान सभा सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी अनुपमा रावत का मुकाबला भाजपा के यतीश्वरानंद और आम आदमी पार्टी के नरेश शर्मा के साथ हुआ था। 2022 चुनाव में प्रदेश की सबसे हॉट सीट पर अनुपमा रावत ने 50,028 वोट हासिल किए जबकि उनके विरोधी भाजपा के यतीश्वरानंद को 45,556 मत मिले। अनुपमा ने कुल 4,472 वोटों से जीत अपने नाम की। अनुपमा ने अपने पहले ही चुनाव में 2017 में पिता हरीश रावत की हार का बदला ले लिया।

सैयदा खातून : पार्टी के साथ हार को जीत में बदला

बसपा का दामन छोड़ समाजवादी पार्टी में शामिल हुई सैयदा खातून इस बार भाजपा की लहर के आगे भी टिकी रहीं और शानदार जीत हासिल की है। डुमरियागंज विधानसभा सीट से चुनाव लड़ते हुए सैयदा ने भाजपा की मोदी-योगी की जोड़ी को कड़ाके की टक्कर दी है। सैयदा को जनता ने 85,098 मत दिए तो वहीं उनके विरोध में भाजपा से खड़े हुए राघवेंद्र प्रताप सिंह को कुल 84,327 वोट मिले। सैयदा ने विरोधी को 771 मतों से हराया। हालांकि, सैयदा की 2017 विधान सभा चुनाव में भी भाजपा के राघवेंद्र प्रताप सिंह से टक्कर हुई थी। तब वह 171 मतों से चुनाव हार गई थी। किसान सैयदा 43 वर्ष की हैं। इस समय 1.9 करोड़ रुपये की संपत्ति की मालकिन हैं।

आराधना मिश्रा : बचाया कांग्रेस का किला

प्रतापगढ़ जिले की रामपुर खास सीट से कांग्रेस को जीत दिलाने वाली आराधना मिश्रा ने इस विधानसभा चुनाव में जीत की हैट्रिक लगाई है। उन्होंने भाजपा प्रत्याशी नागेश प्रताप सिंह को 14,741 वोटों से हराया है। आराधना को इन चुनाव में कुल 83,652 वोट मिले हैं। आराधना के राजनीतिक करियर के बारे में बात करें तो उन्हें कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी का करीबी माना जाता है। आराधना कांग्रेस विधायक दल की नेता भी हैं। आराधना को राजनीति का ज्ञान विरासत में मिला है वह राज्य सभा सांसद प्रमोद तिवारी की बेटी हैं। प्रमोद तिवारी भी रामपुर खास सीट से लगातार 9 बार विधायक रह चुके हैं। 2013 में उनके राज्यसभा जाने के बाद से बेटी आराधना ही उनकी सीट संभाल रही हैं और इसे कांग्रेस का गढ़ बनाए हुए, जिस पर अभी तक मोदी-योगी की लहर का असर नहीं पड़ने दिया और इस बार भी रिकॉर्ड जीत हासिल की। उन्होंने 2012 में कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी की मीडिया रणनीति की जिम्मेदारी भी अपने कंधों पर ली थी।

नादिरा सुल्तान : पिता थे कांग्रेसी, बेटी ने सपा की टिकट पर जीता चुनाव

कासगंज जिले की तीन विधानसभा सीट में से दो पर कमल खिल गया, मगर जिस सीट पर नादिरा सुल्तान चुनाव लड़ रही थी वहां भाजपा को जीत नहीं मिली। समाजवादी पार्टी की टिकट पर पटियाली सीट से चुनाव लड़ने वाली नादिरा को कुल 91,958 मत मिले। वहीं, उनके खिलाफ खड़े हुए भाजपा के ममतेश शाक्या को 87,957 वोट मिले। दोनों के बीच कांटे के टक्कर में नादिरा सुल्तान ने भाजपा प्रत्याशी को 4 हजार वोट से हराया।नादिरा सुल्तान 2007 में कांग्रेस के टिकट पर भी पटियाली विधान सभा से चुनाव लड़ चुकी हैं। मगर तब वह तीसरे नंबर पर रहीं थी। नादिरा सुल्तान सपा नेता आजम खान की रिश्तेदार हैं और कांग्रेस के पूर्व सांसद रहे मुशीर अहमद की बेटी हैं। वह करोड़ों की संपत्ति की मालकिन भी हैं।

पिंकी सिंह : योगी लहर के आगे लगाई जीत की हैट्रिक

संभल की असमोली विधानसभा सीट से चुनाव लड़ते हुए पिंकी सिंह यादव ने जीत दर्ज की है। इसी के साथ वह तीसरी बार असमोली विधानसभा सीट से विधायक बन गई हैं। 2022 विधानसभा चुनाव में उन्हें 1,11,652 वोट मिले हैं जबकि उनके विरोध में खड़े हुए भाजपा के हरेंद्र कुमार को कुल 86,446 वोट मिले। पिंकी इस बार 25 हजार वोटों से चुनाव जीती हैं। साल 2008 में असमोली विधानसभा सीट परिसीमन के बाद बनी थी। यहां 2012 में पहली बार विधान सभा चुनाव हुए थे। तब से लेकर 2022 तक इस सीट पर पिंकी सिंह यादव का ही कब्जा है। 2012 और 2017 में भी वह समाजवादी पार्टी की टिकट पर ही चुनाव लड़ी थी और जीती थी।

पल्लवी पटेल : डिप्टी सीएम केशव को हराया

भाजपा सरकार के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को मात देकर डॉ. पल्लवी पटेल ने चुनाव मैदान में अपना झंडा बुलंद किया है। समाजवादी पार्टी के गठबंधन से पल्लवी पटेल इन चुनाव में सिराथू सीट से उतरी थीं और 1,06,278 वोट हासिल किए थे। वहीं उनके सामने खड़े हुए योगी सरकार के प्रदेश में सबसे बड़े चेहरे केशव प्रसाद मौर्य को 98,941 मत मिले थे। दोनों के बीट की कड़ी टक्कर के बीच डॉ पल्लवी पटेल ने 6,841 वोटों भाजपा के दमदार प्रतिनिधि को हराया। पल्लवी पटेल केंद्र में मंत्री अनुप्रिया पटेल की बहन हैं और अपना दल (कमेरावादी) में अपनी मां कृष्णा पटेल संग इस बार अखिलेश के साथ गठबंधन किया था। पल्लवी ओबीसी नेता डॉ. सोनेलाल पटेल की बेटी हैं। साल 1995 में सोनेलाल पटेल ने अपना दल पार्टी का गठन किया था। उनकी मौत के बाद पत्नी कृष्णा पटेल अपना दल की अध्यक्ष बनीं। बाद में अपना दल दो हिस्सों में बंट गया, जिसमें से अपना दल (कमेरावादी) से पल्लवी पटेल हैं। वहीं उनकी सगी बहन अनुप्रिया पटेल अपना दल (सोनेलाल) से भाजपा के साथ मिलकर कई सालों से चुनाव लड़ रही हैं।

भाजपा की रणनीति से बुंदेलखंड में भी अपना दल एस ने जमाया रंग

- दो सीटों पर किया कब्जा कुल 17 में 12 सीटों पर जीत की दर्ज
- कुर्मी वोटरों को साधने के लिए अपना दल एस को बढ़ाया आगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव का परिणाम आ चुका है और इसमें भाजपा के एनडीए गठबंधन ने इस बार भी प्रचंड जीत हासिल की है। भाजपा नेतृत्व वाले गठबंधन 273 सीटों पर सफलता मिली है जबकि समाजवादी पार्टी गठबंधन 125 सीटें जीतकर दूसरे नंबर पर रही। इस सबके बीच सूबे की राजनीति में तीसरे स्थान के लिए चौंकाने वाले परिणाम आए हैं। यहां बसपा का पूरे राज्य से सूपड़ा साफ हो गया है वहीं उसकी जगह अपना दल (एस) ने ले ली है। अनुप्रिया पटेल की अपना दल ने इस बार 12 विधान सभा सीटों पर जीत दर्ज की है और उसका विस्तार बुंदेलखंड तक हो गया है। अपना दल ने

बुंदेलखंड की दो सीटों पर जीत हासिलकर सभी को चौंका दिया। अनुप्रिया पटेल के राजनीतिक विस्तार के पीछे भाजपा की ही रणनीति रही है और कहीं न कहीं इसमें भाजपा को सफलता भी मिल रही है।

अपना दल का गठन यूपी में कांशीराम से नाराज होकर सोनेलाल पटेल ने बीएसपी के खिलाफ किया था। अपना दल कुर्मी समाज पर गहरा प्रभाव रखती है। सोनेलाल पटेल के निधन के बाद अपना दल सोनेलाल की कमान उनकी बेटी अनुप्रिया पटेल के पास है जो भाजपा के साथ गठबंधन में हैं। वहीं, अनुप्रिया की मां कृष्णा पटेल बेटी के खिलाफ हैं और उनका संगठन अपना दल कमेरावादी सपा गठबंधन का हिस्सा हैं और दोनों ही राजनीतिक रूप से कुर्मी पटेल समाज के बीच अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए जुटे हैं। एनडीए गठबंधन में भाजपा की सहयोगी पार्टी अपना दल (सोनलाल) ने 12 सीटों पर जीत हासिल की है। अपना दल (सोनेलाल) की नेता अनुप्रिया पटेल हैं जो सांसद और मोदी सरकार में मंत्री भी हैं। अनुप्रिया पटेल कुर्मियों को संगठित करने वाले बसपा के संस्थापकों में से एक कद्दावर नेता सोनेलाल पटेल की बेटी हैं।

क्या हैं कुर्मी समीकरण के फायदे

अपना दल एस के लिए भाजपा ने बुंदलखंड में अपनी जीती हुई सीटें छोड़कर जो सियासी दांव चला है वह सपा और बसपा दोनों के लिए किसी चुनौती से कम नहीं है। यूपी की कई सीटों पर कुर्मी पटेल वोटों का प्रभाव है। कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र में कुर्मी वोटर्स लोध समाज के बाद दूसरी सबसे बड़ी ताकत हैं। लोध भाजपा के साथ ही रहा है। अखिलेश यादव ने नरेश उत्तम पटेल को प्रदेश अध्यक्ष बनाकर कुर्मी वोटरों में सेंध लगाने की कोशिश की, लेकिन भाजपा ने अनुप्रिया पटेल का कद बढ़ाकर कुर्मी वोटर्स को अपने पक्ष में साधने का काम किया है। इसका प्रभाव नतीजों में भी दिखा है। इससे भाजपा के पक्ष में एम वाई यानि मुस्लिम यादव समीकरण के खिलाफ पिछड़ी जातियों में ही कुर्मी, लोध और कुशवाहा का समीकरण फायदेमंद हो गया।

अपना दल का स्ट्राइक रेट रहा 70 फीसदी

अपना दल एस ने पहली बार यूपी में 12 सीटों पर जीत दर्ज की है और इसके बाद ही वह बीएसपी से बड़ी पार्टी होकर तीसरे नंबर की पार्टी हो गई। अपना दल के लिए भाजपा ने बुंदेलखंड में दो सीटें छोड़कर कुर्मी वोटरों को अपने पक्ष में पोलराइज किया। बुंदेलखंड के झांसी जिले की मऊरानीपुर और बांदा की मानिकपुर से अपना दल एस ने भाजपा गठबंधन के साथ जीत दर्ज की है। 2017 में अपना दल एस को 9 सीटें मिली थीं। इस बार अनुप्रिया पटेल ने 17 सीटों पर चुनाव लड़ा था और 70 फीसदी स्ट्राइक रेट के साथ 12 सीटें जीत ली हैं।

भाजपा उत्तर प्रदेश में अपनी पकड़ को लगातार मजबूत कर रही है। इसके लिए वह छोटे दलों को अपना साझीदार बना रही है। भाजपा जानती है कि यूपी की राजनीति में लंबे समय तक कायम रहना है तो यहां के जातीय समीकरणों को भी कब्जे में रखना होगा। यूपी में सपा यादवों को साथ लेकर पिछड़ों की बात करते हुए मजबूत आधार वाली पार्टी है। मायावती बसपा से जाटवों को साथ लेकर पूरे दलितों को जोड़कर राजनीति में आगे बढ़ी है तो बीजेपी भी यूपी के कुर्मी पटेल समीकरणों को अपने पक्ष में रखकर कई सीटों पर प्रभाव बनाए रखना चाहती है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

आतंकियों की बदली रणनीति के निहितार्थ

जम्मू-कश्मीर में आतंकी वारदातें फिर तेज हो गयी हैं। अब आतंकियों ने अपनी रणनीति बदल दी है। सुरक्षा बलों को निशाना बनाने की बजाए वे आम जनता पर हमले कर रहे हैं। पिछले दिनों आतंकियों ने कुलगाम में सरपंच की हत्या कर दी और श्रीनगर में ग्रेनेड हमला किया। इसमें दो लोगों की मौत हो गयी जबकि 36 लोग घायल हो गए। इसके बाद चले अभियान में सुरक्षा बलों ने पाकिस्तान के आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के कमांडर समेत चार आतंकियों को मार गिराया जबकि एक को गिरफ्तार किया। सवाल यह है कि आतंकियों ने अपनी रणनीति में बदलाव क्यों किया? पाकिस्तान से आने वाले आतंकियों की सहायता कौन कर रहा है? क्या सीमा पार बैठे आकाओं के इशारे पर स्थानीय स्लीपर सेल फिर सक्रिय हो गए हैं? क्या आतंकियों के सफाए से पाकिस्तानी हुक्मरान और उसकी खुफिया एजेंसियां बौखला गयी हैं? क्या बिना स्लीपर सेल को खत्म किए आतंकियों का घाटी से सफाया किया जा सकता है? क्या सुरक्षा बलों को अपनी रणनीति में बदलाव लाने की जरूरत है।

जम्मू-कश्मीर से धारा 370 के हटने के बाद पाकिस्तान और भारत के बीच तनाव चरम पर पहुंच चुका है। इस मामले में पूरी दुनिया से मुंह की खाने के बाद पाकिस्तान ने एक बार फिर अपने आतंकियों को घाटी में सक्रिय कर दिया है। पाकिस्तान से आने वाले इन आतंकियों को घाटी में सक्रिय आतंकी संगठनों के स्लीपर सेल मदद कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर सुरक्षा बलों ने जब से घाटी में ऑपरेशन ऑल आउट चलाया है तब से आतंकियों ने सुरक्षा बलों से दो-दो हाथ करने की बजाए जनता को निशाना बनाना शुरू कर दिया है। दरअसल, इसके जरिए आतंकी घाटी में भय का माहौल पैदा करना चाहते हैं ताकि लोग यहां से पलायन कर जाएं। दूसरी ओर आतंकी गतिविधियों के जरिए पाकिस्तान पूरी दुनिया का ध्यान कश्मीर की ओर खींचना चाहता है। यही नहीं वह वैश्विक मंचों से भी कश्मीर का राग अलापता रहता है। पाकिस्तानी हुक्मरान अपनी जनता का ध्यान जरूरी मुद्दों से भटकाने के लिए भी आतंकी गतिविधियों को तेज कर रहे हैं। इसमें कोई दो राय नहीं कि आतंकियों की नयी रणनीति से परंपरागत तरीकों से नहीं निपटा जा सकता क्योंकि एक-एक व्यक्ति को सुरक्षा मुहैया कराना असंभव है। लिहाजा सुरक्षा बलों और सरकार को इसके लिए जरूरी रणनीति बनानी होगी। सरकार यदि आतंकी घटनाओं को रोकना चाहती है तो उसे सबसे पहले स्थानीय स्तर पर सक्रिय स्लीपर सेल को खत्म करना होगा। वहीं इस मामले में पाकिस्तान को कूटनीतिक रूप से वैश्विक स्तर पर अलग-थलग करना होगा अन्यथा स्थितियों को सुधारना मुश्किल होगा।

संजय

“ सवाल यह है कि आतंकियों ने अपनी रणनीति में बदलाव क्यों किया? पाकिस्तान से आने वाले आतंकियों की सहायता कौन कर रहा है? क्या सीमा पार बैठे आकाओं के इशारे पर स्थानीय स्लीपर सेल फिर सक्रिय हो गए हैं? क्या आतंकियों के सफाए से पाकिस्तानी हुक्मरान और उसकी खुफिया एजेंसियां बौखला गयी हैं?

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

कांग्रेस की जगह लेगी आम आदमी पार्टी!

नीरज कुमार दुबे

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पंजाब विधान सभा चुनाव में आम आदमी पार्टी की जीत पर प्रधानमंत्री मोदी की ओर से बधाई मिलने पर प्रधानमंत्री का शुक्रिया अदा किया है। हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री ने ट्वीट करके आम आदमी पार्टी को बधाई दी थी। आम आदमी पार्टी जिस तेजी के साथ राष्ट्रीय फलक पर छा रही है उससे कयास लगाये जाने लगे हैं कि यह पार्टी जल्द ही कांग्रेस की जगह ले लेगी। दिल्ली में कांग्रेस के 15 साल के शासन का अंत करके अरविंद केजरीवाल जिस मजबूती के साथ मुख्यमंत्री पद की कुर्सी संभाले हुए हैं उससे कांग्रेस के लिए दिल्ली के दरवाजे पूरी तरह बंद नजर आ रहे हैं।

यही नहीं आम आदमी पार्टी ने पंजाब में भी कांग्रेस का सफाया कर दिया है। इससे पहले गुजरात के सूरत नगर निगम चुनावों में भी कांग्रेस का सफाया करके आम आदमी पार्टी मुख्य विपक्षी पार्टी बन गयी थी। इसी तरह वह राज्य जहां-जहां कांग्रेस कमजोर है, वहां आम आदमी पार्टी तेजी से बढ़त हासिल करती जा रही है इसलिए सवाल उठता है कि भाजपा ने जो कांग्रेस मुक्त भारत का नारा दिया था, क्या उसे वास्तविकता में बदलने के लिए अरविंद केजरीवाल असली मेहनत कर रहे हैं? भाजपा ने कांग्रेस को केंद्र और राज्यों की सत्ता से बाहर कर विपक्षी खेमे में भेज दिया लेकिन केजरीवाल कांग्रेस को विपक्षी खेमे से भी आउट करने में जुट गये हैं। देखा जाये तो आप ने अपने अब तक के सियासी सफर में एक बड़ा मुकाम हासिल किया है और राष्ट्रीय राजनीति में एक विकल्प के रूप में उभरी है। 'आप' ने पंजाब में 92 सीट पर जीत हासिल कर निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस को बहुत पीछे छोड़ दिया। केजरवाल की पार्टी अब 117 सदस्यीय पंजाब विधान सभा में तीन चौथाई बहुमत के साथ राज्य में सरकार बनाएगी। आप ने 40 सदस्यीय गोवा में भी दो सीट हासिल कर तटीय राज्य में कुछ पकड़ बनायी है, लेकिन यह उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में खाता खोलने में नाकाम रही। हम आपको बता दें कि आप ने पंजाब, गोवा, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश की सभी विधान सभा सीट पर चुनाव लड़ा था ताकि वह अपना विस्तार करके राष्ट्रीय राजनीति में एक बड़ी ताकत बन सके। पंजाब में जीत से उत्साहित पार्टी का लक्ष्य अब गुजरात और हिमाचल प्रदेश में अपना विस्तार करने पर है। इन दोनों राज्यों में इस साल के अंत में विधान सभा चुनाव होने हैं, जिसमें आप भी मैदान में उतरेगी। आप के सूत्रों ने बताया कि गुजरात को ध्यान में रखते हुए पार्टी की योजना पंजाब का

विजय पताका इस भाजपा शासित राज्य में पहुंचाने की है।

उल्लेखनीय है कि अन्ना हजारे के भ्रष्टाचार-रोधी आंदोलन से वर्ष 2011 में उपजी इस पार्टी के नेता एवं पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकल्प के तौर पर पेश किया जा रहा है। चुनाव विश्लेषकों के मुताबिक केंद्र के तीन विवादास्पद कृषि कानून के खिलाफ किसानों के आंदोलन का समर्थन करना, कांग्रेस में आंतरिक कलह और शासन के दिल्ली मॉडल ने आप की जीत को आसान कर दिया। 'आप' देश की एकमात्र क्षेत्रीय पार्टी और देश की केवल तीसरी ऐसी पार्टी है, जिसकी दो राज्यों में सरकार है। आप के अलावा दो या दो से ज्यादा राज्यों में सरकार वाली पार्टियां भाजपा और कांग्रेस हैं। पंजाब में कांग्रेस आंतरिक कलह के कारण लोगों का विश्वास हासिल नहीं कर सकी, तो अकाली (शिअद) भी मतदाताओं को आकर्षित नहीं कर सके क्योंकि उसने पहले के अपने शासन में कुछ खास नहीं किया था। ऐसी स्थिति में आप को लोगों ने एक विकल्प के रूप में देखा।

केजरीवाल और अन्य नेताओं ने वर्ष 2012 में 'आप' का गठन किया था। इसने दिल्ली विधानसभा में 70 में से 28 सीट जीतकर चुनावी राजनीति में अपनी शुरुआत की। वर्ष 2013 में मुख्यमंत्री केजरीवाल के नेतृत्व में दिल्ली में आप की सरकार बनी और कांग्रेस ने बाहर से समर्थन दिया था। दिल्ली विधान सभा में संख्या बल में कमी के कारण जन लोकपाल विधेयक पारित करने में विफल रहने पर केजरीवाल ने फरवरी, 2014 में पूर्ण जनादेश हासिल करने के लिए मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। दिल्ली विधानसभा का दोबारा चुनाव लड़ने से पहले आप ने वर्ष 2014 का लोक सभा चुनाव लड़ा और पंजाब में चार सीट हासिल की। इसके बाद पार्टी ने वर्ष 2015 के दिल्ली विधानसभा चुनाव में 70 में से 67 सीट पर जीत दर्ज की। 'आप' ने वर्ष 2020 के दिल्ली विधान सभा चुनाव में 70 में से 62 सीट जीतकर एक बार फिर कीर्तिमान स्थापित किया। बहरहाल, अब आम आदमी पार्टी का जो सफर शुरू हुआ है उसमें लोगों का अनुमान है कि यह कांग्रेस की जगह लेकर भाजपा से मुकाबला करेगी। देखना होगा कि आप का यह सफर कितना आसान रहता है।

विदेशों में डॉक्टरी की पढ़ाई के किंतु-परंतु

राकेश कोछड़

हाल ही में यूक्रेन युद्ध में एक भारतीय छात्र की मृत्यु ने वहां फंसे हजारों भारतीय छात्रों की मुश्किलों की ओर ध्यान खींचा है। भारत से विदेश जाकर मेडिकल की पढ़ाई करने वालों में एक बड़ी तादाद यूक्रेन जाती है, हालांकि, रूस और चीन सबसे पसंदीदा जगहें हैं। काफी विद्यार्थी किर्गिजस्तान, नेपाल, बांग्लादेश और फिलीपींस भी पढ़ने जाते हैं। भारत में फिलहाल 605 मेडिकल कॉलेज हैं, जिनकी एमबीबीएस कोर्स में सालाना भर्ती क्षमता 90,825 है। लगभग आधे मेडिकल कॉलेज सरकारी हैं तो बाकी निजी अथवा किसी ट्रस्ट/सोसायटी द्वारा संचालित हैं। सरकारी मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस कोर्स की वार्षिक फीस 10000 रुपये से कम (एम्स) से लेकर 1.5 लाख रुपये (केरल) है लेकिन निजी कॉलेजों में पूरे कोर्स के 83 लाख (मुलाना) से 1.15 करोड़ (डीवाई पाटिल मेडिकल कॉलेज, नवी मुंबई) तक लगते हैं।

मेडिकल शिक्षा पाने को विद्यार्थी विदेशों का रुख क्यों करते हैं? देशभर में कुल मिलाकर उपलब्ध लगभग 90 हजार सीटों के लिए इस साल नीट (एनईईटी) प्रवेश परीक्षा में लगभग 15 लाख छात्रों के बैठने का आकलन है। विभिन्न किस्म का आरक्षण कोटा और निजी कॉलेजों में ऊंची फीस के चलते जिन उम्मीदवारों ने 35000 जैसा ऊंचा स्कोर पाया हो, उन्हें भी सीट नहीं मिल पाती जबकि कोई कम नंबर पाकर भी डीम्ड यूनिवर्सिटी से या प्रबंधन कोटे के तहत प्रवेश पा लेता है। जो छात्र निजी कॉलेजों में प्रवेश पाने की आर्थिक हैसियत नहीं रखते, उन्हें विदेश जाना पड़ता है क्योंकि वहां पूरे कोर्स का खर्चा 20-30 लाख रुपये आता है। इनके अलावा एक श्रेणी वह है, जिसने न तो नीट पास किया या स्थान इतना निचला पाया कि स्वदेशी मेडिकल कॉलेज में भर्ती नहीं हो पाती। वर्ष 2002 में टीएमए पई मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने फैसला दिया था कि जो निजी शैक्षणिक संस्थान सरकार से अनुदान नहीं लेते, वे अपने मुताबिक व्यावसायिक कोर्स फीस निर्धारित करने को स्वतंत्र हैं। इसके बाद हर राज्य में फीस निर्धारण समिति का गठन हुआ, जिसके पास यह अधिकार था कि तात्कालिक बुनियादी ढांचे और विस्तार योजना इत्यादि को ध्यान में रखते हुए फीस निर्धारण करे। इसका उद्देश्य चंदा-भर्ती को हतोत्साहित और मेरिट को बढ़ावा देना था। बदनाम रहे मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया की जगह बनाए गए राष्ट्रीय मेडिकल आयोग ने पिछले साल नवम्बर माह में निजी मेडिकल कॉलेज में 50 फीसदी सीटों पर फीस निर्धारित करने का सुझाव दिया था। प्रत्येक ऐसे संस्थान को 50 प्रतिशत सीटें मेरिट (नीट रैंक) के आधार पर देनी होंगी, जिसके लिए सालाना फीस 6-10 लाख होगी। बाकी की सीटें प्रबंधन कोटे की रहेंगी, जिनकी वार्षिक फीस 15-18 लाख ले सकेंगे। डीम्ड यूनिवर्सिटी में वार्षिक फीस 25 लाख तक हो सकती है। 2016 तक निजी कॉलेजों के लिए कोर्स गैर-मुनाफा आधार पर चलाना अनिवार्य था। लेकिन सरकार ने इस धारा को हटा दिया और हर साल 10 प्रतिशत फीस बढ़ाने को मंजूरी दे दी। साथ ही विदेशों में प्रशिक्षण प्राप्त डॉक्टरों को भारत में प्रैक्टिस करने के लिए पंजीकरण करवाने और फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट एग्ज़ामिनेशन (एफएमजीई) परीक्षा पास करने पर भारतीय मेडिकल कॉलेजों में स्नातकोत्तर शिक्षा प्राप्त करने की अनुमति भी दे दी। हालांकि, पिछले पांच सालों में एफएमजीई उत्तीर्ण करने वालों का प्रतिशत 16 रहा है। संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने हाल ही में कहा था कि विदेशों से मेडिकल पढ़ाई करने वालों में 90 फीसदी भारत में योग्यता परीक्षा उत्तीर्ण करने में असफल रहते हैं। यह कथन जहां एक ओर पढ़ाई का घटिया स्तर दर्शाता है वहीं छात्रों की योग्यता भी बतलाता है जो नीट परीक्षा में निचला स्थान पाने के बावजूद किसी भी हील-हवाले से मेडिकल डॉक्टर बनने की चाहत रखते हैं। इसीलिए हर साल विदेशी मेडिकल शिक्षा प्राप्त लगभग 30000 डिग्रीधारकों में 5000 से भी कम वैध मेडिकल प्रैक्टिस करने की प्रामाणिकता रखते हैं, शेष या तो दुबारा इम्तिहान पास करना पड़ता है या छोटी जगहों पर अवैध प्रैक्टिस करने लगते हैं या कोई और व्यवसाय चुन लेते हैं। लिहाजा स्नातकोत्तर डॉक्टर बनने की संभावना बहुत कम होती है। भारत में मेडिकल कॉलेज सीटें बढ़ाने के सुझाव आते रहते हैं। देश में प्रत्येक 1000 लोगों के पीछे 1 डॉक्टर होने की सिफारिश के हिसाब से लगभग 13 लाख 80 हजार डॉक्टर होने चाहिए जबकि देश में रजिस्टर्ड एलोपैथ डॉक्टरों की संख्या 10 लाख 20 हजार है। पिछले 8 सालों में देश में एमबीबीएस सीटें 51,500 से बढ़कर 90,000 हो गई हैं। सीटें बढ़ाने के लिए न केवल अतिरिक्त बुनियादी ढांचे में बल्कि माकूल सुविधाओं में बढ़ोतरी करने की जरूरत होती है। अगर इस इजाफे के बाद आर्थिक रूप से वहन योग्य सीटें बहुत कम बढ़ पाईं तो यह समस्या को आगे गहराने जैसा होगा।

बेशक हाल ही में राष्ट्रीय मेडिकल आयोग के जरिए ढांचे में बदलाव किया गया है, फिर भी बहुत कुछ करने की आवश्यकता है। मेडिकल शिक्षा को सुव्यवस्थित किया जाए, इसकी शुरुआत निजी मेडिकल कॉलेजों में फीस और एमबीबीएस/पीजी सीटों में अनुपात अंतर को तर्कपूर्ण करके हो सकती है। एमबीबीएस सीटों में बढ़ोतरी के लिए ज़हन में रोजगार क्षमता का आकलन किया जाना आवश्यक है। अभिभावक और डॉक्टर बनने के चाहवान छात्रों को विदेशों में मेडिकल शिक्षा प्राप्ति के बाद की हकीकत से आगाह किया जाना चाहिए। सरकार को इस ओर ध्यान देने की जरूरत है।

होली के रंग

बरसाना से मणिपुर तक चटख होने लगे

रंगों के त्यौहार होली को भारत के अलग-अलग हिस्सों में धूमधाम से मनाया जाता है। उत्तर-पूर्वी भारत से लेकर दक्षिण के राज्यों तक, लोग होली में पूरे उत्साह के साथ शामिल होते हैं। हालांकि ज्यादातर लोग होली घर पर ही सेलिब्रेट करते हैं। लेकिन पिछले कुछ सालों में होली के मौके पर आउटडोर इवेंट्स का चलन बढ़ा है। मतलब लोगों को घरों से बाहर होली खेलना पसंद आ रहा है। होली के मौके पर हम आपको बताने जा रहे हैं ऐसे डेस्टिनेशन्स के बारे में जहां की होली काफी फेमस होती है-

गोवा की होली

गोवा में शिगमोत्सव मनाया जाता है। यह काफी हद तक होली के जैसा ही होता है। यह फेस्टिवल ग्रामीण देवी-देवताओं की पूजा से शुरू होता है और करीब 15 दिनों तक चलता है। फेस्टिवल के आखिरी 5 दिनों में परेड निकाली जाती है और सांस्कृतिक आयोजन होता है। पांचवें दिन लोग एक-दूसरे को गुलाल लगाते हैं। खासकर पंजिम, वास्को और मडगांव में यह फेस्टिवल देखने लायक होता है। होली के दिन गोवा के बीच भी काफी रंगीन हो जाते हैं। स्थानीय लोगों के अलावा बड़ी संख्या में टूरिस्ट गोवा में होली खेलने के लिए आते हैं।

मथुरा-वृंदावन में होली

उत्तर प्रदेश के मथुरा और वृंदावन की होली पूरे देश में प्रसिद्ध है। दुनियाभर से टूरिस्ट यहां आते हैं। असल में मथुरा को भगवान कृष्ण के जन्मस्थल के तौर पर जाना जाता है। वृंदावन वह जगह है जहां कृष्ण ने अपना बचपन गुजारा था। इसकी वजह से मथुरा-वृंदावन की होली का खास महत्व है। मान्यताओं के मुताबिक, होली के त्यौहार की शुरुआत राधा और कृष्ण के होली खेलने से ही हुई थी। मथुरा-वृंदावन में करीब एक हफ्ते तक होली के कार्यक्रम होते हैं।

मणिपुर की होली

मणिपुर में होने वाली होली को याओशांग फेस्टिवल के तौर पर जाना जाता है। यह 6 दिनों तक चलता है और स्थानीय लोग कई तरह के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं। लैंप और बाहर आग जलाकर रात में लोक नृत्य और संगीत का आयोजन होता है। लोग एक-दूसरे को गुलाल लगाते हैं।

बरसाना की होली

उत्तर प्रदेश के बरसाना की लट्ठमार होली काफी फेमस है। बरसाना को राधा का घर भी कहा जाता है जहां कृष्ण, राधा और उनकी सखियों से शरारतें करने जाया करते थे। ऐसा माना जाता है कि इसी दौरान बरसाना की महिलाएं कृष्ण को भगाने के लिए लाठियां लेकर निकली थीं। बरसाना में राधा रानी का प्रसिद्ध मंदिर है जहां खासतौर से होली सेलिब्रेशन होता है। दो दिनों के सेलिब्रेशन के पहले दिन एक गांव के पुरुष महिलाओं को रंग लगाने बरसाना आते हैं। इस दौरान महिलाएं लाठी लेकर उन्हें मारती हैं। दूसरे दिन बरसाना की महिलाएं नंदगांव में होली खेलने जाती हैं।

शांति निकेतन में होली

पश्चिम बंगाल के शांति निकेतन में होली बसंत उत्सव के रूप में सेलिब्रेट की जाती है। नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्रनाथ टैगोर ने ही शांति निकेतन के विश्व भारती यूनिवर्सिटी में हर साल बसंत उत्सव मनाने की शुरुआत की थी। इस मौके पर हर साल विश्व भारती यूनिवर्सिटी के छात्र पीले कपड़ों में तैयार होते हैं और शानदार लोक नृत्य की प्रस्तुति देते हैं। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बाद रंगों के साथ होली खेली जाती है। ये कार्यक्रम होली से ठीक एक दिन पहले शुरू होता है। इस आयोजन में भाग लेने के लिए दुनियाभर से टूरिस्ट शांति निकेतन में आते हैं।

आनंदपुर साहिब की होली

पंजाब के आनंदपुर साहिब में सिख समुदाय के लोग अलग तरह से होली सेलिब्रेट करते हैं। इसे स्थानीय भाषा में होला मोहल्ला भी कहा जाता है। होला मोहल्ला होली के अगले दिन से शुरू होता है और तीन दिनों तक चलता है। पहली बार सिख गुरु गोबिंद सिंह ने होली खेलने के इस परंपरा की शुरुआत की थी। तीन दिनों तक चलने वाले होला मोहल्ला के दौरान कई तरह की एक्टिविटिज होती हैं, जैसे कि हथियारों की प्रदर्शनी, मार्शल आर्ट का प्रदर्शन, कीर्तन, म्यूजिक के साथ-साथ और कॉम्पिटिशन।

उदयपुर की होली

राजस्थान में भी होली काफी धूमधाम से सेलिब्रेट की जाती है। राजस्थान में होने वाले होली समारोहों में राज परिवार से जुड़े लोग भी शिरकत करते हैं। आमतौर पर राजस्थान में होली सेलिब्रेशन दो दिनों तक चलता है। उदयपुर के सिटी पैलेस में होलिका दहन का भव्य आयोजन किया जाता है। अगले दिन उदयपुर और जयपुर में जमकर होली खेली जाती है। जयपुर में होली के मौके पर हाथी, घोड़े और ऊंटों की परेड भी निकाली जाती है। सड़कों पर लोक नृत्य भी होता है।

हंसना मना है

लड़की को एक अनजान नंबर से फोन आया लड़की: कौन हो तुम? क्यों फोन किया? लड़का: जी आपका नाम क्या है ? लड़की: शीतल। लड़की: अब बताइए आपका नाम क्या है ? लड़का: पेयजल। लड़की: कमीने मेरा मजाक उड़ाता है लड़का: सॉरी मेम, मेरा मतलब था: फैजल

एक लड़के ने अपनी गलफ्रेंड से शादी कर ली, लड़का अकेला बैठा हुआ था लड़की: क्या सोच रहे हो जानू? लड़का: तुमसे शादी करके मुझे बहुत फायदा हुआ है, लड़की: वाओ मैं तुम्हारे लिए लक्की हूं ना, लड़का: अरे नहीं, मुझे लगता है, मुझे मेरे गुनाहों की सजा जीते जी मिल गई।

टीटू ने दोस्त से पूछा: चावल से बर्फ कैसे बनाएं? मंटू- पता नहीं मुझे। टीटू: अबे RICE में से 'क्र' निकाल दें बन गया ICE

10 डॉक्टर मिलकर एक हाथी का ऑपरेशन कर रहे थे, आपरेशन के बाद। डॉक्टर: कम्पाउंडर जल्दी इधर आ। कम्पाउंडर: क्या हुआ डॉक्टर साहब? डॉक्टर: चेक करो सारे औजार हैं या नहीं कुछ हाथी के पेट में तो नहीं छूट गए।

कहानी | टोपी बेचने वाला बंदर

एक बार एक टोपियों का व्यापारी अपनी टोपियां बेचने के लिए दूर किसी शहर की और जा रहा था। चलते चलते दोपहर हो गई। वह थक गया था। एक बड़े पेड़ के नीचे उसने अपनी टोपियो की टोकरी अपने कंधे से उतारी और अपने खाने का डिब्बा खोला और भोजन करने लगा। जल्दी तो कोई थी नहीं, इसलिए उसने सोचा क्यों न थोड़ी देर आराम किया जाए। वह व्यापारी वहीं पेड़ के नीचे लेट गया। और जल्द ही गहरी नींद ने उसे घेर लिया। उसे क्या पता था की वह एक ऐसे पेड़ के नीचे सोया हुआ है, जिसमें ढेरो बंदरों ने अपना ठिकाना बनाया हुआ था। बंदरों ने जब टोकरी में पड़ी हुई रंगबिरंगी टोपियां देखी तो उन्होंने टोपियों से खेलने का मन बना लिया वे एक एक करके सभी नीचे आ गए। और सभी ने एक एक टोपी उठा ली और जल्दी ही सभी पेड़ पर चढ़ गए। टोपी वाले की आँख खुली जैसे ही उसकी नजर खाली टोकरी पर पड़ी उसके पैरो तले से जमीं निकल गयी। वह परेशां हो उठा। के उसकी सारी टोपियों कोई चोरी करके ले गया था। वह चिल्लाया हाय हाय में लुट गया बरबाद हो गया? कौन ले गया मेरी टोपियो को अब मेरा क्या होगा? परंतु जैसे ही उसकी नजर उस पेड़ के ऊपर उठी तो हैरान रह गया। उसकी सारी टोपियां तो बंदरों ने पहेंन रखी थी। उसने गुस्से से अपने हाथो को ऊपर किया ताकि डरकर बन्दर अपनी टोपियां नीचे फेंक सके। परंतु ऐसा कुछ न हुआ। और बन्दर भी उसकी नकल करके उसे चिढ़ा रहे थे। इससे उसके दिमांग में एक तरकीब सूझी। पहले उसने अपने हाथो को हिलाया उसी तरह बन्दर भी अपने हाथ हिलने लगे। फिर वो ऊपर नीचे कूदने लगा बन्दर तो नकलची होते ही है। बन्दर भी ऊपर नीचे कूदने लगे, फिर उसने अपनी टोपी सर से उतारी और जोर से उसे जमीं पर फेंक दिया। फिर क्या था। सभी बंदरों ने उसकी नकल की और अपनी अपनी टोपी को उन्होंने भी जमीन पर पटक दिया। टोपी वाले ने सारी टोपियां इकटठी की और वापस अपनी टोकरी में डाल दी और फिर अपने रस्ते चल पड़ा।

शिक्षा : संकट आने पर ठंडे दिमाग से सोचों और समस्या को सुलझाओ। समस्या से भागो नहीं।

10 अंतर खोजें

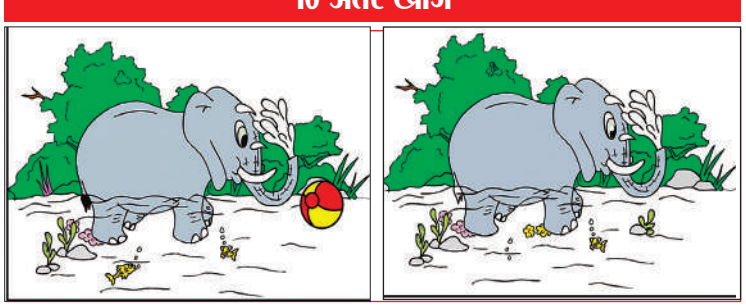

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज आपका दिन शानदार रहेगा। आप अपनी समझदारी से चीजों को आसान बना लेंगे। कला के क्षेत्र में आपकी रुचि बढ़ेगी। आपकी सेहत तंदरुस्त रहेगी।

वृषभ

आज आपके ऊपर हनुमान जी की कृपा दृष्टि सबसे अधिक रहेगी। व्यवसायी वर्ग के लोग अपने काम के विस्तार से पहले पूर्ण छानबीन कर लें उसके बाद ही कदम आगे बढ़ाएं।

मिथुन

भावनात्मक तौर पर बहुत अच्छा दिन नहीं होगा। आपको अपने रोजमर्रा के कामों से छुट्टी लेकर आज दोस्तों के साथ घूमने का कार्यक्रम बनाना चाहिए।

कर्क

आपके लिए दिन सामान्य रहेगा। लेन-देन और निवेश के मामलों में नई प्लानिंग करेंगे। आपके आसपास चहल-पहल भी रहेगी। आपकी एकाग्रता चरम पर होगी और एक साथ कई काम भी संभालने पड़ सकते हैं।

सिंह

बिजनेस और नौकरी में कुछ अच्छा होने के इशारे मिल सकते है। किसी खास मामले को लेकर परिवार से बातचीत हो सकती है। ऑफिस के काम या अपने किसी शौक के कारण आप व्यस्त हो सकते हैं।

कन्या

आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव रहेगा। ऑफिस में आपके काम की प्रशंसा हो सकती है। व्यापारी वर्ग को धन लाभ हो सकता है।

तुला

भाइयों और बहनों से पूर्ण सहयोग मिलेगा। यदि आज आप नया वरिष्ठ अधिकारियों से संबंधों में चली आ रही अड़चन दूर होगी, लेकिन काम का बोझ बढ़ेगा।

वृश्चिक

सपना हकीकत में बदल सकता है। लेकिन अपने उत्साह को काबू में रखें, क्योंकि ज्यादा खुशी भी परेशानी का सबब बन सकती है। अपने जीवन-साथी की उपलब्धियों की सराहना करें।

धनु

आपकी बात और काम का असर लोगों पर हो सकता है?लोग आपके विचारों को सुनेंगे। किसी बैठक-समारोह का बुलावा भी आज आपको मिल सकता है।

मकर

शिक्षा के क्षेत्र में आपको उन्नति मिल सकती है। किसी दूसरे का उत्साह देखकर आप उत्साहित हो सकते हैं। साहित्यकार को काबिलियत के लिए सम्मानित किया जा सकता है।

कुम्भ
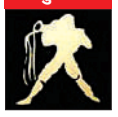
आज आपको किसी विशेष कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर मिलेगा। बजरंगबली की कृपा से आपके जीवन में आने वाले सभी प्रकार के दुखों का अंत होगा।

मीन

अपनी ऊर्जा को व्यक्तित्व-विकास के काम में लगाएँ, जिससे आप और भी बेहतर बन सके। बोलते समय और वित्तीय लेन-देन करते समय सावधानी बरतने की जरूरत है।

बालीवुड | मन की बात

100 दिन से ज्यादा एक फिल्म में काम नहीं करते : अक्षय कुमार

अक्षय कुमार बॉलीवुड के सबसे बिजी एक्टर्स में से एक हैं। अक्षय कुमार सालभर में कई फिल्में करते हैं। इसी वजह से वह ऑडियंस के दिल और दिमाग से कभी नहीं निकलते। अक्षय के पास आज के समय में ढेरों बढ़िया प्रोजेक्ट्स हैं। ऐसे में उन्होंने बताया है कि वह सिर्फ उन्हीं फिल्मों में काम करते हैं, जो कंट्रोल बजट और टाइम लिमिट के साथ आती हैं। अक्षय कुमार ने कहा कि फिल्मों का बजट उनके लिए एक अहम बात है। पिंकविला के साथ इंटरव्यू में अक्षय कुमार कहते हैं, मैं इस बात में बहुत मानता हूं कि बजट हिट तो फिल्म हिट। मैंने कभी पैसे बर्बाद नहीं किए और हमेशा लोगों के समय की इज्जत की है। मैं इस बात का खास ध्यान रखता हूं कि अपने को-एक्टर्स और क्रू के समय की इज्जत करूं। ताकि समय मेरी इज्जत कर सके। एक फिल्म में काम करने का अपना क्राइटेरिया भी अक्षय ने शेयर किया। उन्होंने कहा, एक इंसान 45-50 दिनों से ज्यादा एक फिल्म को नहीं दे सकता और अगर आप इस टाइम स्पैन में फिल्म शूट कर लेते हो तो आपका बजट कंट्रोल में रहता है। मैं ऐसी फिल्म में काम नहीं कर सकता जिसमें 100 दिन से ज्यादा दिन शूटिंग करनी पड़े। अक्षय कुमार ने कहा कि वह मेथड एक्टर नहीं हैं। वह बोले- मैं उन लोगों में से नहीं हूं जो अपने आप को एक कमरे में बंद कर लेते हैं। मेरे लिए एक्टिंग करो और घर चले जाओ। अक्षय कुमार को पिछली बार फिल्म अतरंगी रे में देखा गया था। जल्द ही वह अपनी फिल्म बच्चन पांडे लेकर आ रहे हैं। इस फिल्म में अक्षय एक गैंगस्टर का किरदार निभाते दिखेंगे। फिल्म में कृति सेनन, पंकज त्रिपाठी, अरशद वारसी, संजय मिश्रा जैसे सितारे हैं। ये फिल्म होली के दिन 18 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

पहले ही दिन फायर साबित हुई प्रभाष की राधे श्याम

प्रभास की राधे श्याम एक लंबे इतजार के बाद सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म ने भारत और ग्लोबल दोनों बाजारों में बॉक्स ऑफिस पर बड़ी शुरुआत की है। शुरुआती आंकड़ों के अनुसार, फिल्म ने आंध्र प्रदेश और तेलंगाना बॉक्स ऑफिस पर 28 करोड़ रुपए की कमाई की है।

एक्ट्रेस पूजा हेगड़े की इस फिल्म को खास तौर पर हिन्दी दर्शकों के लिए भी रिलीज किया गया। तो प्रभास की इस रोमांटिक थ्रिलर ने अपने हिन्दी डब संस्करण की रिलीज के साथ लगभग 6 करोड़ रुपए की कमाई की है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, राधे श्याम ने यूएस बॉक्स ऑफिस पर पहले दिन 1 मिलियन डॉलर की कमाई की।

मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो फिल्म ने अपने प्रीमियर शो से 891 हजार डॉलर की कमाई की। इसने कर्नाटक, तमिलनाडु और केरल सहित बाकी राज्यों में भी अच्छा कलेक्शन किया। दर्शकों से मिली-जुली समीक्षाओं के बावजूद, फिल्म भारतीय और वैश्विक बॉक्स ऑफिस पर काफी अच्छा प्रदर्शन कर रही है। कुछ विश्लेषकों के अनुसार, जैसे-जैसे वीकेंड आगे बढ़ेगा फिल्म की कमाई भी बढ़ सकती है। राधे श्याम का बॉक्स ऑफिस पर यूं धमाकेदार शुरुआत करना एक अच्छा संकेत माना जा रहा है। अब देखना ये है कि क्या ये फिल्म अल्लू अर्जुन की पुष्पा द राइज के बराबर कमाई के मामले में पहुंच पाती है या नहीं। क्योंकि बाहुबली के बाद हिन्दी बेल्ट में भी प्रभाष की अच्छी फैन फॉलोइंग है।

बॉलीवुड | मसाला

प्रभास की 'राधे श्याम' का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे थे, ऐसे में दर्शकों ने इस फिल्म की एडवांस में बंपर बुकिंग करवाई है। ई टाइम्स के मुताबिक फिल्म ने एडवांस बुकिंग में ही दुनिया भर में करोड़ों की कमाई कर ली है। दावा किया जा रहा है कि राधे श्याम ने अभी तक दुनियाभर में 200 करोड़ से भी अधिक का बिजनेस कर लिया है। हालांकि ये भी सच है कि फिल्म को देखने वाले लोगों ने इसे मिली-जुली प्रतिक्रिया दी है।

बॉलीवुड | छोटा पर्दा

हमारे और नेहा के बीच सब कुछ ठीक चल रहा : अर्जुन विजलानी

अर्जुन बिजलानी के बारे में शॉकिंग खबर आई थी। कहा गया कि उनकी मैरिड लाइफ में तनाव चल रहा है। ये खबर आग की तरह फैली। अर्जुन के फैंस हैरान परेशान हो गए। क्योंकि इन दिनों स्मार्ट जोड़ी में वे अपनी पत्नी नेहा स्वामी के साथ नजर आ रहे हैं। तो नेहा और अर्जुन की शादी में दरार की खबरों में कितना सच है।

कपल की शादी में दरार के कयास तब लगने शुरू हुए जब अर्जुन बिजलानी ने इंस्टा पोस्ट में लिखा- हमेशा का साथ झूठ है। इस पोस्ट के साथ अर्जुन बिजलानी ने हार्ट ब्रेकिंग इमोजी बनाया। अर्जुन का ये पोस्ट देख सभी फैंस-सेलेब्स शॉक्ड हो गए। सभी एक्टर से पूछने लगे क्या हो गया। अर्जुन बिजलानी की सलामती के बारे में लोग पूछने लगे। कई यूजर्स कयास लगाने लगे कि उनका पत्नी संग तनाव हुआ है शादी में दरार आ गई है। लोगों के इन शॉकिंग कमेंट्स को देखने के बाद अर्जुन बिजलानी ने उनकी चिंता दूर करते हुए अपनी पोस्ट का सच बताया। अर्जुन ने इंस्टा पर पत्नी नेहा संग रियलिटी शो स्मार्ट जोड़ी में हुई उनकी शादी की तस्वीरें शेयर की। कैप्शन में लिखा- प्यार हमेशा के लिए है। पिछली रात जो मैंने पोस्ट लिखी थी उसका मेरी निजी जिंदगी से कोई लेना देना नहीं है। कई लोगों के फोन और मैसेज आए। सच कहूं तो मैं आभारी हूं क्योंकि ये दिखाता है कि लोग आपसे कितना प्यार और आपकी कितनी केयर करते हैं। दोस्तों मेरा हाल चाल लेने के लिए शुक्रिया। ढेर सारा प्यार। तो इसका मतलब अर्जुन बिजलानी और नेहा स्वामी की शादी में सब कुछ ठीक चल रहा है। कपल के फैंस ने ये जानकर जरूर राहत की सांस ली होगी। अर्जुन और नेहा की जोड़ी फैंस की फेवरेट है। इस शादी से उनका एक बच्चा भी है। हम तो यही कहेंगे कि कपल का ये प्यार यूं ही बना रहे। उन्हें किसी की नजर ना लगे।

क्या है अर्जुन की शादी का सच

अजब-गजब | जानिए क्या है इससे जुड़ा रहस्य

भारत के इस गांव में जूते-चप्पल पहनने पर है रोक

आज कल लोग बिना जूता-चप्पल के एक कदम भी नहीं चल सकते हैं, लेकिन क्या आप कभी बिना जूते-चप्पल के हमेशा रह सकते हैं। शायद आप इसकी कल्पना भी नहीं कर सकते। लेकिन भारत में एक ऐसा गांव है जहां जूते-चप्पल पहनना पूरी तरह बैन है। यह जानकर आपको यकीन नहीं हो रहा होगा, लेकिन यह बिल्कुल सच है। यह गांव दक्षिण भारतीय राज्य तमिलनाडु में है। यह तमिलनाडु के प्रसिद्ध शहर मदुराई से 20 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है जिसका नाम कलिमायन गांव है। इस गांव के लोग अपने बच्चों को भी चप्पल-जूते नहीं पहनने देते हैं। अगर इस गांव में कोई गलती से भी जूते या चप्पल पहन लेता है तो उसे कठोर सजा दी जाती है।

जानिए क्यों नहीं पहनते हैं जूते-चप्पल

बताया जाता है कि इस गांव के लोग अपाच्छी नामक देवता की सदियों से पूजा कर रहे हैं। वह मानते हैं कि अपाच्छी देवता ही उनकी रक्षा करते हैं। अपने देवता के प्रति आस्था की वजह से गांव की सीमा के अंदर जूते-चप्पल पहनने पर बैन है। आपको जानकर हैरानी हुई होगी, लेकिन इस गांव में रहने वाले लोग सदियों से इस अजीबो गरीब परंपरा को निभा रहे हैं। अगर किसी को बाहर जाना होता है तो वह हाथ में जूते चप्पल लेकर जाता है और गांव की सीमा खत्म होने के बाद उसे पहनता है। इसके बाद जब वे लौटकर आते हैं, तो गांव की सीमा से पहले ही जूता चप्पल उतार देते हैं। यह परंपरा कब से चलती रही है इसके बारे में किसी को जानकारी नहीं है, लेकिन यहां के लोगों का मानना है कि कई पीढ़ियों से इस गांव के लोग यह परंपरा निभाते आ रहे हैं। यहां के बच्चे स्कूल भी नंगे पांव ही जाते हैं। यहां के लोग जूता चप्पल के नाम पर नाराज हो जाते हैं। भारत में ऐसी कई अजब-गजब परंपराएं हैं जिनका लोग पालन करते हैं।

ये है दुनिया की सबसे लंबी कार, गाड़ी की छत पर उतर सकता है हेलीकॉप्टर!

दुनिया में कई तरह की कार आपने देखी होगी। कुछ कार बुलेट प्रूफ होते हैं। कुछ में कोई और आकर्षक फीचर होता है। लेकिन आज हम आपको जिस कार के बारे में बताने जा रहे हैं वो इन सभी कारों से अलग और खास है। हम बात कर रहे हैं अमेरिकन ड्रीम नाम के कार की। ये कार दुनिया की सबसे लंबी कार की लिस्ट में शामिल है। 100 फीट लंबी इस कार में इतनी जगह है कि इसके अंदर एक स्विमिंग पूल के अलावा एक हेलीपैड भी है। जी हां, 26 चक्कों पर चलने वाली इस कार में खुद का एक हेलीपैड भी है। पहले से ही गिनीज बुक आफ रिकार्ड्स में शामिल अमेरिकन ड्रीम ने अब अपना ही पुराना रिकॉर्ड तोड़ डाला है। इस कार की लंबाई बढ़ाकर सौ फीट कर दी गई है। साथ ही ये डेढ़ इंच चौड़ी है। इस कार में कुल 26 चक्के हैं। साथ ही एक स्विमिंग पूल और हेलीपैड है। कहा जाता है कि इस कार के अंदर एक बार में कुल 75 लोग बैठ सकते हैं। अमेरिकन ड्रीम को 1986 में कार कस्टमाइजर जय ओहरबर्ग ने बनाया था। कैलिफोर्निया में रहने वाले जय ने इसे जब बनाया था तब इसकी लंबाई 60 फीट थी। अमेरिकन ड्रीम अब सौ फीट का हो चुका है। इस कार को आपने कई हॉलीवुड फिल्मों में देखा होगा। अब ये कार न्यूजर्सी के एक वेयरहाउस में है। समय के साथ इस कार को मेंटेन करने में दिक्कत आने लगी। इसके बाद एक समय के लिए इसे कबाड़ मान लिया गया था, लेकिन उसके बाद माइकल मन्निंग, जो न्यूयॉर्क के एक म्यूजियम के मालिक है ने इसे रिस्टोर करने का फैसला किया। कार के बारे में माइकल ने बताया कि उन्होंने जब इसे न्यूजर्सी में देखा था तब ये कबाड़ा थी। इसकी खिड़कियां टूट गई थी, टायर में हवा नहीं थी लेकिन फिर भी इससे प्यार हो गया। इसलिए इस कार को रिस्टोर करने का फैसला किया गया। माइकल के मुताबिक इस कार को रिस्टोर करने में काफी पैसे लगे हैं। जब उसके म्यूजियम की लीज खत्म हो गई तो पैसों की जरुरत के लिए उसने कार को ebay पर बेच दिया, इसे 2019 में फ्लोरिडा के Dezerland Park Car Museum and Tourist Attractions के मालिक माइकल डे ने खरीदा। बाद में मन्निंग ने डेजर के साथ मिलकर कार को रिस्टोर किया और इसमें कई नए फीचर्स जोड़े। कार के टायर बदले गए, हेलीपैड को फिर से बनाया गया और पूल की मरम्मत की गई। अब ये कार चकाचक हो कर लोगों का ध्यान खींच रही है।

आग लगने से चार तीर्थयात्रियों समेत दस झुलसे, मचा हड़कंप

» हरदोई में श्रद्धालुओं से भरी बस में लगी आग

» एटा में गैस सिलेंडर में आग लगने से हुई दुर्घटना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हरदोई। उत्तर प्रदेश के हरदोई और एटा में हुए दो हादसों में चार तीर्थयात्रियों समेत दस लोग झुलस गए हैं। सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। श्रद्धालु बस सीतापुर के नीमसार से वापस एमपी की तरफ जा रही थी तभी शार्ट सर्किट से म्यूजिक सिस्टम में आग लग गयी और ये हादसा हो गया। वहीं एटा में गैस सिलेंडर में आग लगने से दो बच्चों समेत छह लोग झुलस गए।

हरदोई के बिलग्राम कोतवाली क्षेत्र स्थित ललौली तिराहे में श्रद्धालु से भरी बस में आग लगने से हड़कंप मच गया और लोग चीख पुकार करने लगे। बताया जा रहा कि शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगी है। बस को जलता देख ग्रामीणों ने फायर ब्रिगेड को सूचना दी। मौके पर पहुंची दमकल की गाड़ी ने टूरिस्ट बस में लगी आग पर काबू पा लिया। यात्रियों ने बताया कि वे लोग ग्वालियर के रहने वाले हैं। दो दिन पूर्व दर्शन के लिए नैमिषारण्य आए थे। दर्शन के बाद लौट कर ग्वालियर जा रहे थे। इस बीच अचानक बस में आग लग गई। बिलग्राम कोतवाल राजवीर सिंह के मुताबिक, बस में करीब 70 यात्री थे, जिनमें चार झुलस गए हैं। शेष सभी सुरक्षित हैं। घायलों का उपचार कराया जा रहा है। मीना, राकेश, रेखा और सुशीला झुलस गयी हैं। वहीं एटा के सकीट थाना क्षेत्र में रविवार रात को एक परिवार के छह सदस्य गैस सिलेंडर में आग लगने से झुलस गए। हादसा उस वक्त हुआ, जब घर में खाना बन रहा था। तभी किसी तरह गैस सिलेंडर में आग लग गई। सभी पीड़ितों को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। हादसा सकीट थाना क्षेत्र के गांव उदयपुर में हुआ। गांव उदयपुर निवासी शेर सिंह के घर में रविवार रात खाना बनाया जा रहा था। उसकी पत्नी इंद्रवती खाना बना रही थी जबकि बच्चे पास ही बैठे थे। इस दौरान किसी तरह गैस सिलेंडर में आग लग गई। आग से शेर सिंह का दो वर्षीय पुत्र सुधांशु, छह वर्षीय दीपक और इंद्रवती सहित सत्यशरण, विमलेश निवासी राजलपुर कुरावली मैनपुरी झुलस गए हैं। इनमें बच्चों की हालत गंभीर है। सभी को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। आग में शेर सिंह की बाइक भी जल गई।

संपत्ति विवाद में बेटे ने पिता को मारी गोली

» आरोपी फरार, पुलिस कर रही मामले की जांच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हरदोई। सुरसा क्षेत्र में रविवार को खेत पर काम कर रहे पिता को बेटे ने गोली मार दी, जिससे वह खेत में गिर गया। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। ग्रामीणों की जानकारी पर परिवारवाले मौके पर पहुंचे और उन्हें अस्पताल ले गए। सुरसा क्षेत्र के बडोआ के सोनेलाल खेतीबाड़ी करते हैं। परिवारवालों ने बताया कि सोनेलाल की पहली पत्नी का निधन हो गया था और उसने दूसरी शादी कर दी। दोनों के बीच संपत्ति विवाद चल रहा था।

पहली पत्नी से दो बेटे विकास और विपिन है, वहीं दूसरी पत्नी से पांच बच्चे हैं। सोनेलाल के पास 15 बीघा खेत था, जिसमें पांच बीघा खेत बेच दिया था और दस बीघा भूमि है। दूसरी पत्नी विकास और विपिन को हिस्सा नहीं देना चाहती है। विकास और विपिन दोनों दिल्ली में रहते हैं। विकास दिल्ली से आया था, लेकिन घर नहीं गया। रविवार को सोनेलाल खेत पर काम करने गया, जहां पर विकास अपने एक साथी के साथ पहुंच गया और पिता पर फायर कर दिया। गोली सोनेलाल के कान के नीचे छूते हुए निकल गई। गोली की आवाज सुनकर गांव में खलबली मच गई। मौका पाकर विकास मौके से भाग निकला। देखते ही देखते लोगों की भीड़ एकत्र हो गई और पुलिस को घटना की जानकारी दी गई, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को सीएचसी ले गई, जहां से जिला अस्पताल भेज दिया गया। चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल में भर्ती कर लिया। थाना प्रभारी अरविंद सिंह ने बताया कि संपत्ति को लेकर पिता-पुत्र में विवाद चल रहा है, जिसको लेकर पुत्र ने पिता पर फायर कर दिया, जो कान के नीचे छूते हुए निकल गया है। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

समीक्षा बैठक में बोलीं मायावती

उत्तराखंड में बसपा को उम्मीद के मुताबिक नहीं मिली सफलता

» कमियों को दूर करने के दिए निर्देश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा प्रमुख मायावती ने रविवार को उत्तराखंड विधान सभा चुनाव परिणाम की समीक्षा करते हुए कहा कि पार्टी को उम्मीद के मुताबिक सफलता नहीं मिली है जिसका पार्टी को काफी दुख है लेकिन हिम्मत हारने की भूल कतई नहीं करना है बल्कि कमियों को दूर करके आगे बढ़ने का अपना प्रयास जी जान से करते रहना है। बसपा की उत्तराखंड इकाई के प्रमुख पदाधिकारियों के साथ बैठक में मायावती ने संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में पार्टी की पराजय की समीक्षा की।

बसपा मुख्यालय द्वारा जारी बयान के अनुसार, उत्तराखंड की समीक्षा में पाया गया कि उत्तर प्रदेश की तरह ही वहां भी सत्ताधारी भाजपा को हराने के लिए जी-जान तो काफी लगाया परंतु मुस्लिम समाज के लोगों ने सही विकल्प चुनने में चूक की जिसके कारण भाजपा के खिलाफ गरीबी, महंगाई बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर जबर्दस्त नाराजगी के बावजूद इसका सीधा लाभ दोबारा भाजपा को मिला। मायावती ने कार्यकर्ताओं को नसीहत दी कि जो भी कमियां संगठन के कार्यों में नजर आई है उन्हें दूर करके आगे बढ़ने का प्रयास लगातार जारी रखना है। गौरतलब है कि उत्तराखंड में चुनाव में बसपा ने दो सीटों पर जीत हासिल की और पार्टी को कुल 4.82 प्रतिशत मत मिले।

दंबगों ने दूल्हा-दुल्हन और बारातियों को पीटा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हापुड़। मेरठ के नानू गांव से पिपलैडा आई बारातियों संग दबंगों ने मारपीट कर दी। विरोध पर दुल्हन के घर धावा बोलकर दंबगों ने दूल्हे व उसके परिजनों पर हमला कर दिया।

थाना प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार पांडेय ने बताया कि गांव पिपलैडा में अब्दुल रहीम की पुत्री रजिया से शादी करने के लिए ग्राम नानू जनपद मेरठ से तारीफ पुत्र गय्यूर अपने परिजनों संग बारात लेकर आया था। देर शाम जब बरात खाना खाने के लिए जा रही थी, इसी दौरान गांव निवासी कुछ लोगों ने अब्दुल रहीम की बेटी की बारात में आए बरातियों संग मारपीट कर दी। दुल्हन के परिवार वालों के हस्तक्षेप के बाद मामला सुलझ गया लेकिन जब दूल्हा दुल्हन को विदा कर ले जा रहा था तो गांव के कुछ दबंगों जो दूल्हे के ननिहाल पक्ष के बताए गए हैं, ने दुल्हन की गाड़ी रोक दी। गाड़ी से जब निकल कर दूल्हे ने विरोध किया तो दंबगों ने उसके साथ भी मारपीट कर दी। दूल्हे के साथ ही दुल्हन को भी दंबगों ने पीट डाला।

स्वागत कार्यक्रम में पहुंचीं विधायक सरिता जिलाध्यक्ष ने डाला पार्टी कार्यालय में ताला

» शीर्ष नेतृत्व तक पहुंचा मामला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इटावा। उत्तर प्रदेश के इटावा में दूसरी दफा चुनाव जीतीं सरिता भदौरिया और भाजपा संगठन के बीच चल रही अनबन खुल कर सामने आ गई। एमएलए का स्वागत भाजपा ऑफिस में किया जाना था, लेकिन उनके पहुंचने के पहले ही भाजपा कार्यालय में तालाबंदी कर दी गई। इस घटनाक्रम ने कई तरह के सवाल खड़े कर दिए हैं।

बताया गया है कि रविवार दोपहर करीब तीन बजे भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष संजू चौधरी की अगुवाई में जिला कार्यालय पर भारतीय जनता पार्टी की दूसरी बार निर्वाचित हुईं एमएलए सरिता भदौरिया का स्वागत कार्यक्रम प्रस्तावित था। इस कार्यक्रम की जानकारी जैसे ही भाजपा जिला अध्यक्ष संजीव राजपूत को हुई तो वह पार्टी के सभी पदाधिकारियों के साथ जिला कार्यालय पर ताला डाल कर चले गए। जब नव निर्वाचित विधायक अपने तमाम समर्थकों के साथ में भाजपा कार्यालय पहुंची तो उन्हें मुख्य गेट बंद मिला। भाजपा कार्यालय में तालाबंदी होने पर विधायक समर्थकों की ओर से खासी नाराजगी जताई गई, लेकिन विधायक ने मौके की नजाकत को देखते हुए स्वागत सत्कार की प्रक्रिया पड़ोस में ही स्थित शांति मैरिज वाटिका में करानी शुरू कर दी। स्वागत कार्यक्रम के बाद सभी लोग घर लौट गए, लेकिन भाजपा कार्यालय पर तालाबंदी की खबर ने पूरे शहर में हड़कंप मचा दिया। हर कोई भारतीय जनता पार्टी कार्यालय पर तालाबंदी को देखने के लिए पहुंचने लगा। नवनिर्वाचित एमएलए ने इस पूरे प्रकरण की जानकारी पार्टी हाईकमान को दे दी है।

मानव तस्करी के शक में छह बालिकाओं संग दो को पकड़ा

» लड़कियों को ट्रेन से सूरत ले जा रहे थे आरोपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बाराबंकी। अवध एक्सप्रेस से बिहार से सूरत ले जाई जा रहीं छह बालिकाओं को जीआरपी ने स्थानीय रेलवे स्टेशन पर पकड़ लिया। बालिकाओं को चाइल्ड लाइन के सुपुर्द कर जांच में जुट गई। परिजनों से पुलिस पूछताछ कर रही है।

मामला नगर कोतवाली क्षेत्र स्थित रेलवे स्टेशन का है। जीआरपी को अवध एक्सप्रेस ट्रेन से कुछ बालिकाओं को सूरत ले जाए जाने की सूचना मिली। इस पर इंस्पेक्टर अनूप कुमार वर्मा की टीम ने बिहार प्रांत के समस्तीपुर जिले के थाना विधान के बराही निवासी अकबर व सरताज को आठ से 10 वर्ष की छह बालिकाओं के साथ बाराबंकी रेलवे स्टेशन पर पकड़ लिया। पकड़े गए दोनों आरोपियों ने बताया कि वे बालिकाओं को सूरत के एक मदरसे में दीनी तालीम दिलाने के लिए दाखिल कराने जा रहे थे। प्रभारी निरीक्षक अनूप कुमार वर्मा ने बताया कि मानव तस्करी के शक में बालिकाओं को दो आरोपियों के साथ पकड़ा गया है। परिवारीजनों से पूछताछ की जा रही है।

भितरघातियों पर कार्रवाई की तैयारी में भाजपा

2024 के लोक सभा चुनाव में नहीं लेना चाहती कोई जोखिम

» 28 मार्च तक शीर्ष नेतृत्व को भेजी जाएगी रिपोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव में स्पष्ट बहुमत के साथ सत्ता में वापसी करने वाली भाजपा अब एक्शन मोड में नजर आ रही है। भाजपा ने चुनावी नतीजों की समीक्षा शुरू कर दी है। इसके साथ पार्टी का रुख भितरघातियों और निष्क्रिय रहने वालों को लेकर बेहद सख्त है। सभी जिलों से इनकी सूची मांगी गई हैं। पार्टी 28 मार्च तक भितरघातियों को चिन्हित कर अपनी रिपोर्ट शीर्ष नेतृत्व को भेजने की तैयारी में है।

विधान सभा चुनाव के दौरान तमाम नेताओं और कार्यकर्ताओं द्वारा भितरघात और गड़बड़ी की शिकायत प्रदेश संगठन के पास पहुंची थीं। कुछ चेहरे ऐसे भी थे, जिन्हें पार्टी की सत्ता में वापसी को लेकर भरोसा नहीं था, लिहाजा वे नई हवा के साथ बहने की गोटियां बिठाने में लगे थे। ऐसे लोगों में कई जनप्रतिनिधि, टिकट के दावेदार और बूथ से लेकर जिला, क्षेत्र और प्रदेश स्तर तक के कई चेहरे शामिल हैं। चुनाव के दौरान भी फोन कर ऐसे कई लोगों के पेंच कसे गए थे। चुनावी नतीजे आने के बाद अब पार्टी ने गड़बड़ी करने वालों को चिन्हित करने की मुहिम शुरू कर दी है। पार्टी 2024 की तैयारी को लेकर कोई जोखिम नहीं उठाना चाहती। भाजपा मुख्यालय ने सांसदीय क्षेत्रों में विधानसभाओ में सांसदों ने कितनी सभाएं की उसकी रिपोर्ट मांगी है। वहीं बूथ अध्यक्षों से लेकर बड़े पदाधिकारियों तक ऐसे लोगों पर भी कार्रवाई की तैयारी है, जो अपने तय क्षेत्र को छोड़कर अपने आकाओं के सामने चेहरे चमका रहे थे। पार्टी को शिकायत मिली थी कि कई नेता नंबर बढ़ाने को अपने क्षेत्र की जगह बड़े नेताओं की सीटों पर जुटे रहे। पार्टी लाभ का पद पाने वालों की चुनावी भूमिका की भी जांच करेगी। इनमें विभिन्न निगमों, आयोगों, बोर्डों में समायोजित किए गए चेहरे शामिल हैं। यह देखा जा रहा है कि उनके खुद के बूथ पर क्या स्थिति रही। चुनाव में उनकी सक्रियता और उनकी भूमिका का पार्टी को कुछ लाभ हुआ या नहीं।

बहुत अच्छा लड़े तुम अखिलेश : मुलायम सिंह

चुनाव नतीजों के बाद सपा संरक्षक से मिले अखिलेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में शिकस्त के बाद पहली बार समाजवादी पार्टी के संरक्षक मुलायम सिंह यादव ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से मुलाकात की। कल समाजवादी पार्टी कार्यालय पहुंचकर मुलायम सिंह ने अखिलेश को आशीर्वाद दिया। इस मुलाकात के दौरान मुलायम सिंह यादव ने कहा अखिलेश बहुत अच्छा लड़े तुम, बहुत-बहुत बधाई। उन्होंने नई उर्जा और उत्साह के साथ आगे लड़ने को कहा।

बता दें कि 10 मार्च को आए विधानसभा चुनाव नतीजों के बाद पहली बार मुलायम सिंह यादव सपा दफ्तर पहुंचे। इस मौके पर सहारनपुर देहात से नवनिर्वाचित विधायक आशु मलिक भी मौजूद रहे। यूपी की 403 विधानसभा सीटों में से 273 सीटें जीतकर भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले गठबंधन ने सत्ता में वापसी कर ली है। सपा के नेतृत्व वाले विपक्षी गठबंधन को 125 सीटों पर

जीत मिली है। वहीं, अखिलेश यादव ने 21 मार्च को 11 बजे से सपा के नवनिर्वाचित विधायकों की बुलाई है। अखिलेश की ओर से सभी नवनिर्वाचित विधायकों से तय तिथि और समय पर विधायक दल की बैठक के लिए लखनऊ स्थित सपा के दफ्तर पहुंचने के लिए कहा है। इससे पहले अखिलेश यादव ने ट्वीट कर यूपी के चुनाव नतीजों पर प्रतिक्रिया व्यक्त की थी। अखिलेश यादव ने ट्वीट कर जनादेश स्वीकार किया था और कहा था कि जनता ने हमारी सीटें ढाई गुना बढ़ा दी हैं। उन्होंने जनादेश को स्वीकार करते हुए जनता का आभार जताया था। अब अखिलेश यादव ने विधायक दल की बैठक भी बुला ली है।

इस्तीफा दे सकते हैं आजम खां

सपा प्रमुख अखिलेश यादव को दोबारा सत्ता में लौटने के लिए एक बार फिर पांच साल इंतजार करना होगा। बताया जा रहा है कि अखिलेश यादव और पार्टी के दिग्गज नेता आजम खान लोकसभा सदस्य बने रहेंगे। अगर ऐसा होता है तो उन्हें विधायक पद से इस्तीफा देना पड़ेगा। अभी लोकसभा में समाजवादी पार्टी के केवल 5 सदस्य हैं और सियासी माहौल को देखते हुए पार्टी लोकसभा में कमजोर नहीं होना चाहती। ऐसे में अखिलेश यादव और आजम खान विधानसभा सदस्य से इस्तीफा दे सकते हैं।

प्रियंका ने खूब मेहनत की पर नहीं मिली सफलता : थरूर

भाजपा की जीत का श्रेय पीएम मोदी को

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड जीत को लेकर अब सभी पार्टियों में मंथन चल रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में भले ही नेतृत्व छोड़ने की पेशकश कर दी, लेकिन कांग्रेस के बड़े नेता भी पीएम मोदी के जोश को देखकर बेहद उत्साहित हैं।

कांग्रेस अब पार्टी को मौजूदा संकट से उबारने के लिए संसद सत्र के तत्काल बाद एक चिंतन शिविर आयोजित करेगी। इसी बीच शशि थरूर ने पीएम मोदी की प्रशंसा की है। कांग्रेस नेता और पूर्व केन्द्रीय मंत्री शशि थरूर ने प्रधानमंत्री की जमकर तारीफ की और उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को मिली जीत का सारा श्रेय उन्हें दिया है। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने कहा कि उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव के परिणाम को लेकर हमें भाजपा से बड़ी उम्मीद नहीं थी। हमको लग रहा था कि उनको जीत मिलेगी, लेकिन उन्हें

इतनी बड़ी जीत मिलेगी, इसका अंदाजा नहीं है। थरूर ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जबरदस्त जोश और गतिशीलता वाले व्यक्ति हैं। उनमें कुछ चीजें हैं, जो बहुत प्रभावशाली हैं, खासकर राजनीतिक रूप से। हमें उम्मीद नहीं की थी कि भाजपा उत्तर प्रदेश में इतने बड़े अंतर से जीतेगी, लेकिन मोदी का करिश्मा था और भाजपा को बड़ी जीत मिली। शशि थरूर ने कहा कि प्रियंका गांधी वाड्रा ने खूब मेहनत की पर सफलता नहीं मिली। यूपी विधानसभा चुनावों में कांग्रेस हर जगह पर लड़ी है।

कुलदीप सेंगर की बेटी ने प्रियंका पर कसा तंज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत के बाद उन्नाव के माखी कांड के आरोपी कुलदीप सिंह सेंगर की बेटी ऐश्वर्या सेंगर ने एक वीडियो जारी किया है। ऐश्वर्या ने उन्नाव में कांग्रेस की जमानत जब्त होने पर प्रियंका और राहुल गांधी पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि आशा सिंह उन्नाव सदर से कांग्रेस प्रत्याशी थीं और उन्हें चुनाव में हार का सामना करना पड़ा।

सच चाहे जितना दबाओ एक दिन सबके सामने आ ही जाता

दिल्ली में बैठकर अपनी राजनीतिक जमीन तलाश रहे प्रियंका गांधी और राहुल गांधी को शायद यह नहीं पता कि सच को चाहे जितना भी दबाओ एक दिन सबके सामने आ ही जाता है। इससे पहले सेंगर की बेटी ने माखी कांड की पीड़िता की मां को कांग्रेस से टिकट मिलने पर वीडियो जारी किया था।

केशव का राजनीतिक भविष्य तय करेंगे संघ और संगठन

सिराथू से हार के बाद बढ़ीं केशव की मुश्किलें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा के कद्दावर पिछड़े वर्ग के नेता केशव प्रसाद मौर्य के सिराथू से चुनाव हारने के बाद उनके राजनीतिक भविष्य को लेकर अटकलों का दौर शुरू हो गया है। केशव अभी विधान परिषद सदस्य हैं। ऐसे में केशव को योगी सरकार में जगह मिलेगी या उन्हें राष्ट्रीय टीम में जिम्मेदारी दी जाएगी, इसका निर्णय पार्टी का शीर्ष नेतृत्व अगले सप्ताह तक करेगा।

केशव ने विश्व हिंदू परिषद के जरिए भाजपा की राजनीति में कदम रखा था। विहिप के पूर्व अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक सिंघल के करीबी रहे केशव को आरएसएस के सह कार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले, सर सह कार्यवाह कृष्णगोपाल सहित अन्य नेताओं का भी करीबी माना जाता है। संघ और भाजपा के शीर्ष नेताओं के प्रयास से ही पिछड़े वर्ग के बीच केशव की पार्टी के चेहरे के रूप में पहचान स्थापित की गई।

एमएलसी चुनाव की तैयारी

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी से विधानसभा चुनाव की टिकट की मांग कर रहे तमाम नेताओं की आस अब एमएलसी चुनाव से है। विधान परिषद की 35 सीटों के चुनाव के लिए 15 मार्च को अधिसूचना जारी होगी। जबकि मतदान अगले माह नौ अप्रैल को है। एक माह से भी कम समय होने की वजह से भाजपा से टिकट के तमाम दावेदार पिछले कई दिनों से लखनऊ में ही जमे हुए हैं। इसमें भी अधिकांश वहीं नेता है जिन्होंने विधानसभा चुनाव के लिए भी टिकट की मांग की थी। जल्द ही प्रत्याशी के नाम की घोषणा हो जाएगी। इलाहाबाद स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्र (प्रयागराज एवं कौशाम्बी) के लिए नामांकन 15 से 19 मार्च के बीच होगा। वहीं मतगणना 12 अप्रैल को होगी। ऐसे में टिकट के दावेदारों के पास सिर्फ पांच दिन का ही वक्त बचा है।

कौस्तुभ इंफ्रा क्रिकेट क्लब लखनऊ ने स्पार्टन गुड़गांव को फाइनल में हराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। गुड़गांव में चल रही अंतरराज्यीय कार्पोरेट क्रिकेट कप की त्रिकोणीय श्रृंखला के फाइनल मैच में कौस्तुभ इंफ्रा क्रिकेट क्लब ने स्पार्टन गुड़गांव की टीम को हरा कर फाइनल मैच जीत लिया। कौस्तुभ इंफ्रा के कप्तान शेखर सिंह ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग करते का फैसला किया। वहीं गुड़गांव की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 157 रन पर ऑल आउट हो गयी।

जवाब में बल्लेबाजी करते हुए कौस्तुभ इंफ्रा क्रिकेट क्लब की टीम ने चंद्रेश और अंशुल के शानदार अर्धशतक की बदौलत आसानी से 158 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया।

नई विधानसभा में आधे से अधिक विधायकों पर दर्ज है क्रिमिनल केस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की नव निर्वाचित विधानसभा में आधे से ज्यादा विधायकों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) के विश्लेषण के मुताबिक उत्तर प्रदेश के 403 नवनिर्वाचित विधायकों में से 205 यानी करीब 51 फीसदी पर क्रिमिनल केस दर्ज हैं। इसका खुलासा नामांकन के समय जमा हलफनामों से हुआ है।

एडीआर द्वारा जारी एक विश्लेषण रिपोर्ट के अनुसार नवनिर्वाचित विधानसभा में 158 जीते हुए उम्मीदवारों यानी 39 प्रतिशत ने अपने ऊपर गंभीर आपराधिक मामले दर्ज होने की बात हलफनामें में कही है, जिनमें हत्या, अपहरण, महिलाओं के खिलाफ अपराध जैसे संगीन जुर्मों से संबंधित मामले शामिल हैं। 5 नव निर्वाचित विधायकों ने अपने खिलाफ हत्या से संबंधित मामले घोषित किए हैं। वहीं 29 विधायकों ने हत्या के प्रयास से संबंधित मामले दर्ज होने की बात घोषित की है, जबकि छह विजयी उम्मीदवार महिलाओं के प्रति अपराधों में आरोपी हैं।

एडीआर की रिपोर्ट में खुलासा

भाजपा विधायक सबसे अमीर

आपराधिक रिकॉर्ड के अलावा यदि संपत्ति की घोषणा की बात करें तो भाजपा के 255 नवनिर्वाचित विधायकों में से लगभग 233, सपा के 111 में से 100, अपना दल के 12 में से 9, राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) के 8 में से 7, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के 6, निषाद पार्टी के 6 ने 1 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति घोषित की है। इसी क्रम में जनसत्ता दल के 2, कांग्रेस के 2 और बसपा से 1 विजयी उम्मीदवार ने भी 1 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति घोषित की है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।